RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-12 अंक:11 ता. 04 जूलाई 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

एनसीपी में बगावत से विपक्ष में खलबली ? बेंगलुरु में होने वाली बैठक अचानक टली

● दिग्गज नेता शरद पवार ने ही ऐलान किया था कि विपक्ष की दूसरे दौर की मीटिंग शिमला के बजाए 13-14 जुलाई को कर्नाटक की राजधानी में होगी। उन्होंने गुरुवार को मौसम का हवाला देकर यह बात कही थी।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एकजुट हो रहे विपक्षी दलों की रफ्तार धीमी पड़ती नजर आ रही है। खबर है कि कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में होने वाली 13 और 14 जुलाई की बैठक स्थगित हो गई है। हालांकि, अब तक बैठक की नई तारीख को लेकर कुछ नहीं कहा गया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि विपक्ष मॉनसून सत्र के बाद दोबारा मुलाकात कर सकता है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में हुई हालिया बगावत से इस घटनाक्रम के तार जोड़कर देखे जा सकते हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट में जनता दल यूनाइटेड के प्रवक्ता केसी त्यागी के हवाले से बताया गया कि बेंगलुरु में होने वाली अगली बैठक टल गई है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि अगली बैठक संसद के मॉनसून सत्र के बाद होगी। संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई को शुरू होगा और 20 अगस्त तक जारी रहेगा। बिहार की राजधानी पटना में हुई बैठक में करीब 15 दलों के नेता शामिल हुए थे।

क्या है वजह?

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि 10 जुलाई से 14 जुलाई तक बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र और कर्नाटक विधानसभा के सत्र के चलते बैठक को टाला गया है। कहा जा रहा है कि राष्ट्रीय जनता दल और जेडीयू ने कांग्रेस नेतृत्व से बेंगलुरु में होने वाली बैठक को टालने का अनुरोध किया था। साथ ही खबर है कि कर्नाटक कांग्रेस ने भी आलाकमान से मॉनसून सत्र के चलते बैठक को टालने की अपील की थी।

क्या अजित पवार की बगावत है कारण?

एक मीडिया रिपोर्ट में जनता दल यूनाइटेड के प्रवक्ता केसी त्यागी के हवाले से बताया गया कि बेंगलुरु में होने वाली अगली बैठक टल गई है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि अगली बैठक संसद के मॉनसून सत्र के बाद होगी। संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई को शुरू होगा

खास बात है कि दिग्गज नेता शरद पवार ने ही ऐलान किया था कि विपक्ष की दूसरे दौर की मीटिंग शिमला के बजाए 13-14 जुलाई को कर्नाटक की राजधानी में होगी। उन्होंने गुरुवार को मौसम का हवाला देकर यह बात कही थी। अब बेंगलुरु बैठक टलने के तार भी एनसीपी में फूट से जोड़कर देखे जा सकते हैं। दरअसल, सीनियर पवार पिछली बैठक में भी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले के साथ शामिल हुए थे। साथ ही उन्हें विपक्षी एकता का मुख्य सूत्रधार भी माना जा रहा था।

दिल्ली फिर शर्मसार, 13 साल की लड़की से हैवानियत

नई दिल्ली। देश की राजधान दिल्ली एक बार फिर शर्मसार हो गई। यहां के स्वरूप नगर इलाके में 13 साल की छात्रा से सात महीने में दो बार गैंगरेप किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आठ लोगों पर गैंगरेप करने का आरोप लगाया था। लड़की की शिकायत पर पुलिस ने दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर चार नाबालिगों को पकड़ा है। पीड़ित लड़की 8वीं क्लास में पढ़ती है और उसका परिवार स्वरूप नगर इलाके में रहता है। 23 जून की शाम करीब सात बजे वह अपनी सहेली के घर जा रही थी। सुनसान इलाके में दो बदमाशों ने उसे रोक लिया और जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ गैंगरेप किया। करीब चार घंटे बाद बदमाशों के चंगुल से छूटकर किशोरी अपने घर जा रही थी, तभी रास्ते में मिले तीन और युवक उसे एक मकान में ले गए। जहां उन तीनों ने भी उसके साथ गैंगरेप करने के बाद किशोरी को रात में करीब तीन बजे इलाके में छोड़ दिया। जब पीड़िता घर पहुंची तो परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। जांच से जुड़े पुलिस अधिकारी ने बताया कि 24 जून को पीड़िता की शिकायत पर गैंगरेप, कुकर्म, पॉक्सो एक्ट, अपहरण और बंधक बनाने की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। 29 जून को पीड़िता का बयान मजिस्ट्रेट के सामने कराया गया।

सात माह पहले भी हुआ था गैंगरेप- पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के सामने दिए अपने बयान में कई नए खुलासे किए। उसने बताया कि एक सहेली के भाई ने पढ़ाई में मदद करने के लिए दो युवकों से उसकी दोस्ती कराई थी। करीब सात माह पहले किशोरी कुशक रोड पर घूम रही थी, तभी दोनों युवक आए और नोट्स दिलाने के बहाने उसे अपने साथ जंगल में ले गए। वहां उनका एक और साथी आ गया। इसके बाद उन तीनों ने उसके साथ बारी-बारी से गैंगरेप किया। उस समय पीड़िता ने इस बारे में किसी को नहीं बताया था।

मणिपुर में दो महीने बाद कुकी समुदाय ने खोला नेशनल हाइवे, विष्णुपुर में चार की हत्या

नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा अभी थमी नहीं है। रविवार को भी खूनी झड़प में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं इस बीच अच्छी खबर यह आई है कि दो महीने के बाद कुकी समुदाय के लोगों ने नेशनल हाइवे-2 को खोल दिया है। कुकी समुदाय के दो संगठनों ने इसे दो महीने से बंद कर रखा था। कुकी समुदाय का कहना है कि कांगपोकपी जिले में दो महीने से जो नाकेबंदी थी, उसे हटा लिया गया है। उनका कहना है कि गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से शांति और सद्भाव के लिए गंभीरता दिखाए जाने के बाद यह फैसला किया गया है। उधर विष्णुपुर और चुराचांदपुर के बॉर्डर पर हुई हिंसक झड़प में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। तीन की मौत गोली लगने से हुई तो वहीं एक का सिर काट दिया गया। दावा यह भी किया गया कि पांच गांव वालों को उग्रवादियों ने बंधक बना लिया है। सीएम एन बिरेन सिंह कुंभी विधानसभा क्षेत्र के अंतरगत आने वाले इलाके में लोगों से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि सुरक्षा व्यवस्था में चूक हुई। उन्होंने इसे सुधारने का भी वादा किया। विष्णुपुर में हुई हिंसा को देखते हुए राज्य में कर्फ्यू के समय को बढ़ा दिया गया है। जहां कर्फ्यू में 12 घंटे ढील दी जा रही थी, अब इसे घटाकर केवल पांच घंटे कर दिया गया है। सुबह 5 बजे से 10 बजे तक ही कर्फ्यू में ढील दी जाएगी। वहीं हाइवे की नाकेबंदी से हटने से भविष्य में सुधार के आसार नजर आ रहे हैं। कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन के सीलेन हाओकिप और यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट के प्रवक्ता आरोन किपजेन ने कहा कि उम्मीद है कि शांति स्थापित करने के लिए प्रशासन हर संभव कदम उठाएगा।

पीएम आवास के ऊपर ड्रोन दिखने की सूचना से हड़कंप

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकारी आवास के ऊपर सोमवार सुबह ड्रोन दिखने की सूचना से हड़कंप मच गया। एसपीजी ने दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया। अभी तक पुलिस को जांच में कोई आपत्तिजनक चीज नहीं मिली है। मामले की जांच चल रही है। पीएम आवास के आसपास का इलाका नो फ्लाइंग जोन है और यहां ड्रोन उड़ाने की इजाजत नहीं है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास के ऊपर ड्रोन उड़ने की पीसीआर कॉल की गई थी। सुबह 5 बजे के आसपास किसी ने पीएम हाउस के ऊपर ड्रोन को देखकर पीसीआर कॉल की।जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस अलर्ट हो गई। एसपीजी की सूचना के बाद तलाशी अभियान चलाया गया। अब तक की जांच में कुछ भी ऐसा नहीं मिला है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब पीएम मोदी के आवास के आसपास ड्रोन दिखने की सूचना मिली हो। इससे पहले भी दो बार इस तरह की सूचना के बाद तलाशी अभियान चलाया जा चुका है। 7 जून 2018 को पीएम आवास के ऊपर कुछ उड़ती हुई वस्तु दिखने की सूचना मिली थी। उस दिन शाम 7-30 बजे यूएफओ दिखने की शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने जांच पड़ताल की थी। इसके अलावा 17 सितंबर 2017 को रात करीब 10 बजे ड्रोन जैसी वस्तु दिखने की सूचना दिल्ली पुलिस के सिक्यॉरिटी कंट्रोल रूम को दी गई थी।

चलाया गया तलाशी अभियान

जम्मू के आधार शिविर से 4758 अमरनाथ तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था रवाना

जम्मू। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 4758 तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था सोमवार को बम बम भोले के जयकारों के बीच यहां भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ।

एक अधिकारी ने बताया कि 4758 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था आधार शिविर से रवाना हुआ।

उन्होंने बताया कि 2426 पुरुष, 392 महिलाओं, चार बच्चों, 177 साधुओं और 31 साध्वियों सहित 3030 तीर्थयात्री 127 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए एवं 1728 तीर्थयात्री जिनमें 1355 पुरुष, 335 महिलाएं, 15 बच्चे, 21 साधु और दो साध्वियां शामिल हैं, 96 वाहनों से बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए। सुरक्षाकर्मी यात्रियों के वाहनों के आगे चल रहे थे।

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 30 जून को यात्री निवास जम्मू से पहले तीर्थयात्रियों के जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

बंगाल पंचायत चुनाव से 6 दिन पहले गोलीबारी, टीएमसी उम्मीदवार के पिता की हत्या, कांग्रेस समर्थक को भी गोली मारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को पंचायत चुनाव होने है। वोटिंग से छह दिन पहले हिंसा की दो घटनाओं में एक की मौत हो गई। वहीं दूसरा घायल है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 52 साल के टीमएसी कार्यकर्ता जियारुल मोल्ला शनिवार को घर लौट रहे थे। तभी साउथ 24 परगना जिले के फुलमलंचा इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह कथलबेरिया ग्राम पंचायत में टीएमसी उम्मीदवार मनवारा के पिता थे। पिता की हत्या के बाद बेटी ने बताया, विरोधी दलों से हमें लगातार धमकियां मिल रहीं थीं। इसके बारे में पुलिस से शिकायत की थी। मैं अपने पिता की हत्या की उच्च स्तरीय जांच की मांग करती हूं।

स्थानीय तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला ने कहा कि पुलिस मामले की जांच करेगी और जो भी जिम्मेदार है उसके खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर भी चली गोली, TMC पर आरोप

वहीं रविवार रात मुर्शिदाबाद जिले के समसेरगंज में एक अन्य घटना में, कांग्रेस कार्यकर्ता आरिफ शेख को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने समसेरगंज में सड़कों पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिससे कई घंटों तक वाहनों की आवाजाही बाधित रही।

समसेरगंज ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बी शेख ने आरोप लगाया कि बिना कारण गोलीबारी की घटना के पीछे तृणमूल का हाथ है। तृणमूल ने आरोप से इनकार करते हुए कहा कि गोलीबारी की घटना प्रतिद्वंद्विता के कारण हुई और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

बंगाल पंचायत चुनाव में अब तक 10 की मौत

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, 9 जून को नामांकन दाखिल करने की शुरुआत के बाद से पश्चिम बंगाल में ग्रामीण चुनाव संबंधी हिंसा में अब तक 10 लोग मारे गए हैं। इस बीच, रविवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले में एक तरफ CPI और ISF समर्थकों और दूसरी तरफ तृणमूल समर्थकों के बीच झड़प में कम से कम 10 लोग घायल हो गए। यह घटना सुबह चंद्रकोना के कृष्णापुर इलाके में हुई जब तृणमूल सदस्यों ने पार्टी के झंडे लगाने की कोशिश की और विपक्षी कार्यकर्ताओं के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि दोनों शिविरों के 10 घायल लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है, उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

दिल्ली-नोएडा रोड का जाम होगा खत्म ? चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर तक बनेगी 1 और लेन; लाखों वाहनों को होगा फायदा

नोएडा। नोएडा को दिल्ली से जोड़ने वाले चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर तक जाम में कमी लाने के लिए अगस्त अंत तक सड़क को चौड़ा करने का काम शुरू किया जाएगा। डिवाइडर और फुटपाथ के साइज को काफी कम कर दोनों तरफ एक-एक अतिरिक्त लेन बनाई जाएगी। अभी यहां सुबह-शाम लंबा जाम लगता है। यहां जाम लगने की मुख्य सड़क वाहनों की अधिक संख्या के मुकाबले सड़क का काफी कम चौड़ा होना है। लगातार जाम की समस्या को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने यहां जाम में कमी लाने के लिए जरूरी उपाय तलाशने के लिए कुछ महीने पहले एक कंपनी का चयन किया था। अब कंपनी ने नोएडा प्राधिकरण को सर्वे कर रिपोर्ट सौंप दी है।

अधिकारियों ने बताया कि डीएनडी और फिल्म सिटी फ्लाईओवर पर चढ़ने और उतरने वाले लूप पर सड़क की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। सेक्टर-18 की ओर से फ्लाईओवर पर चढ़कर सेक्टर-95 दलित प्रेरणा के सामने उतरते समय लंबा जाम लगता है। यहां पर सेंट्रल वर्ज की चौड़ाई कम करेंगे। डीएनडी पर चढ़ने-उतरने वाले लूप पर ग्रीन बेल्ट कम कर सड़क चौड़ी होगी। चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर आते समय फुटपाथ को कम कर सेक्टर-15ए की दीवार के साथ लाया जाएगा। सेक्टर-15ए के सामने दूसरी तरफ फुटपाथ के साइज को कम कराया जाएगा। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट फाइनल कर ली गई है। अब 22 जुलाई को सीईओ के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा।

नए सिरे से कंपनी का चयन करेगा : कंपनी की ओर से जो सर्वे रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण को दी गई है उसमें चौड़ीकरण के काम में करीब 13 करोड़ रुपये का खर्च होने का अनुमान जताया गया है। सुधार से संबंधित काम कराने के लिए प्राधिकरण नए सिरे से कंपनी का चयन करेगा।

एलिवेटेड रोड बनने के बाद जाम पूरी तरह खत्म होगा: चिल्ला रेगुलेटर से महामाया फ्लाईओवर तक एलिवेटेड रोड बनना प्रस्तावित है। इसके लिए शासन ने 100 करोड़ रुपये का बजट भी जारी कर दिया है। उम्मीद है कि दो-तीन महीने में काम शुरू हो जाएगा। काम शुरू होने पर पूरा होने में करीब डेढ़ साल का समय लगेगा। एलिवेटेड रोड बनने पर इस रास्ते पर जाम पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

एक्सप्रेसवे के लिए कंपनी का चयन नहीं : नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर महामाया फ्लाईओवर से परी चौक तक जाम खत्म करने के लिए भी सर्वे करने का कंपनी का चयन करने की योजना तैयार की थी, लेकिन अभी चयन नहीं हुआ है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि राइट्स कंपनी से बात हुई थी, लेकिन कंपनी की ओर से अधिक पैसे मांगे गए। इस पर प्राधिकरण ने इनकार कर दिया।

53 पेड़ शिफ्ट होंगे

सड़क चौड़ीकरण में दोनों तरफ पेड़ भी हटाए जाएंगे। अधिकारियों का दावा है कि कोई पेड़ काटा नहीं जाएगा, सिर्फ 53 पेड़ शिफ्ट किए जाएंगे। ये पेड़ शहर के अलग-अलग स्थानों पर लगाए जाएंगे। पहले 2200 पेड़ हटाए जाने की योजना बनाई जा रही थी।

कंपनी ने सर्वे रिपोर्ट तैयार कर ली है। सीईओ के समक्ष 22 जुलाई को रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण होगा। जल्द से जल्द काम शुरू कराने की तैयारी है ताकि लोगों की जाम संबंधित दिक्कत खत्म हो जाए। -श्रीपाल भाटी, डीजीएम, नोएडा प्राधिकरण

यूपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं अतीक की बहन आयशा नूरी, और साला सद्दाम

प्रयागराज । माफिया अतीक की बहन आयशा नूरी और साला सला सद्दाम अभी तक यूपी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। इसके साथ ही अतीक की पत्नी शाइस्ता व अशरफ की पत्नी जैनब भी फरार चल रही है। यूपी के प्रयागराज में बहुचर्चित मामला उमेशपाल हत्याकांड में पुलिस अभी तक जांच पड़ताल कर रही है। हालांकि पुलिस आरोपियों को पकड़ने की कोशिश में जुटी हुई है, लेकिन अभी तक पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाई। इसी बीच माफिया अतीक की बहन आयशा नूरी ने अब भाई अतीक और अशरफ की हत्या और असद के एनकाउंटर की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक आज सुप्रीम कोर्ट इस मामले में सुनवाई कर सकता हकि गौरतलब है ?कि उमेशपाल हत्याकांड की आरोपी शाइस्ता परवीन, जैनब और अतीक की बहन आयशा नूरी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से दूर है। पुलिस और यूपी एसटीएफ तमाम कोशिशों के बावजूद भी तीनों आरोपी महिलाओं को पुलिस अभी तक पकड़ नहीं पाई। बता दें कि अतीक की पत्नी शाइस्ता पर पुलिस की ओर से 50 हजार का इनाम घोषित किया गया है। हालांकि आयशा नूरी और अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा पर अब तक पुलिस की ओर से कोई इनाम घोषित नहीं किया गया है। पुलिस को शक है कि यह दोनों दिल्ली में छुपी हुई है और अशरफ का साला सद्दाम भी उनके साथ है। पुलिस इन्हें पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। इस मामले में आरोपी सद्दाम पर पुलिस ने एक लाख का इनाम घोषित किया गया है। शाइस्ता परवीन पर 50 हजार का इनाम घोषित है। हालांकि अब पुलिस जैनब और आयशा नूरी पर भी दबाव बनाने के लिए इनाम घोषित करने की तैयारी कर रही है। पुलिस इन चारों आरोपियों की तलाश कर रही है। जैनब और सद्दाम की लोकेशन दिल्ली में मिली थी जिसके बाद पुलिस ने एसटीएफ की टीमें भेज इनकी तलाश शुरू की। लेकिन अभी तक यह फरार है। वहीं, अतीक-अशरफ की हत्या और असद के एनकाउंटर की जांच वाली मांग पर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होगी।

हिमाचल प्रदेश : आदिवासी इलाकों में संक्रामक बीमारी से 60 भेड़ और बकरियों की मौत, 200 बीमार

शिमला । हिमाचल प्रदेश के जनजातीय बहुल लाहौल स्पीति जिले के ऊंचाई वाले चारागाह में संक्रामक बीमारी से करीब 60 भेडों और बकरियों की मौत हो गई है जबकि 200 मवेशी बीमार हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चंबा से लगती सीमा के हदसर इलाके में मवेशियों के तीन झुंड 'पेस्टे डेस पेटिट्स रुमिनेंट्स (पीपीआर) नामक बीमारी से प्रभावित पाए गए जिसे आम तौर पर ''भेड़-बकरियों का प्लेग'' नाम से जाना जाता है। चार सदस्यीय टीम के साथ बीमार मवेशियों का इलाज कर रहे पशु चिकित्सक डॉ.अनुराग ने बताया कि इस बीमारी से प्रभावित मवेशियों में डायरिया और निमोनिया सामान्य लक्षण है जिससे मवेशी का फेफड़ा प्रभावित होता है। उन्होंने बताया कि इस बीमारी से संक्रमित पशु के नाक से पानी निकलता है और उसे सांस लेने में समस्या हो सकती है, खासतौर पर ऊंचाई पर रहने वाले बीमार मवेशियों को। डॉक्टर ने बताया कि बीमार भेड़ और बकरियों का इलाज करने और उनके मालिकों को मेडिकल किट देने के साथ पशु चिकित्सकों की टीम चरवाहों को बीमारी, उसके लक्षण और एहतियाती उपायों को लेकर जागरूक भी कर रही है। केलांगपशुपालन विभाग के निदेशक डॉ.अमिताभ ढाकुर ने बताया कि विभाग ने शुक्रवार को चिकित्सा दल का गठन किया और उसे घुमंतू जनजातीय गद्दी चरवाहों से संपर्क कर उनके बीमार मवेशियों के इलाज के लिए भेजा।

पुरुष आयोग की स्थापना वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली । घरेलू हिंसा से पीड़ित विवाहित पुरुषों द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामलों से निपटने के लिए दिशा-निर्देश देने की मांग वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रीय पुरुष आयोग की स्थापना की मांग की थी जिसको सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका को वापस ले ली है। इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या वह शादी के तुरंत बाद मरने वाली युवा लड़कियों का डेटा दे सकते है। कोर्ट ने कहा कोई भी आत्महत्या नहीं करना चाहता, यह व्यक्तिगत मामले के तथ्यों पर निर्भर करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपराधिक कानून देखभाल करता है, उपचार नहीं करता है। यह याचिका अधिवक्ता महेश कुमार तिवारी द्वारा दायर की गई थी। याचिका में देश में दुर्घटनावश मौतों के संबंध में 2021 में प्रकाशित राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला दिया गया है। इसमें यह उल्लेख किया गया है कि उस वर्ष देशभर में एक लाख 64 हजार 33 लोगों ने आत्महत्या की है। याचिका में विवाहित पुरुषों की संख्या 81 हजार 63 थी, जबकि 28 हजार 680 विवाहित महिलाएं बताई गईं थीं।

16 दिनों में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में आया साढ़े छह लाख से अधिक का चढ़ावा

देवघर । केवल सोलह दिनों में बाबा बैद्यनाथ के मंदिर में साढ़े सोलह लाख रुपये से अधिक की दानराशि प्राप्त हुई है। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में साल भर लाखों लाख श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ पर जल चढ़ाने पहुंचते हैं। इस दौरान भक्त बाबाधाम मंदिर में भोलेनाथ पर चढ़ावा के रूप में धन भी देते हैं। रविवार को बाबा बैजनाथ मंदिर प्रांगण स्थित सभी दानपात्र को खोला गया जिसमें 658925 रुपये दान स्वरूप प्राप्त हुए। देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने जानकारी दी कि श्रावणी मेला आरंभ होने से पूर्व रविवार को बाबा मंदिर प्रांगण स्थित 19 दानपात्र को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया। साथ ही गिनती के पश्चात दानपात्र से कुल 6,58,925 भारतीय रुपये के अलावा नेपाली रुपिया 855, भूटानी नेगुलत्रम 005, नाइजरिया नायरा-200 दान स्वरूप प्राप्त हुआ। मंदिर के दान पात्र को कड़ी सुरक्षा के बीच खोला गया। पात्र से निकले पैसे को गिनती के लिए मंदिर प्रशासनिक भवन में रखा गया। गौरतलब है कि इससे पहले 15 जून 2023 को बाबा मंदिर प्रांगण स्तिथ सभी दानपत्रों को खोला गया था। यहां मंदिर में दर्शन के लिए देश विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबाधाम पहुंचते हैं और बाबा पर जल अर्पण करने के साथ-साथ दान स्वरूप रुपये, सोना-चांदी सहित अन्य पूजन सामग्री चढ़ाते हैं। सोमवार से विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला की शुरुआत हो रही है, जिसको देखते हुए आज मंदिर के सभी दानपात्र को खोला गया जिसमें श्रद्धालुओं के द्वारा दान स्वरूप पैसे की गिनती की गई जिसके बाद पुन: सभी दानपात्र को पदाधिकारी के देखरेख में लॉक कर दिया गया।

बिहार सरकार जमुई में सोने के भंडार की मौजूदगी का पता लगाने के लिए विस्तृत अन्वेषण करेगी

पटना । बिहार में नौ खनिज ब्लॉक की नीलामी की अनुमति देने के फैसले के कुछ दिनों बाद, राज्य सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) से जमुई जिले के सोनो क्षेत्र में सोने के भंडार की मौजूदगी का पता लगाने के लिए विस्तृत अन्वेषण करने को कहा है। बिहार के खान एवं भूतत्व विभाग ने इसके अलावा सक्षम प्राधिकारी से भागलपुर जिले के बटेसरथान-कासरी-जगन्नाथपुर क्षेत्र में अधिक कोयला वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए अन्वेषण कार्य को और आगे बढ़ाने के लिए भी कहा है। बिहार के खान एवं भूतत्व विभाग के निदेशक मोहम्मद नैयर इकबाल ने रविवार को पीटीआई-को बताया, ''जमुई जिले के सोनो क्षेत्र में सोने के भंडार की उपस्थिति के लिए ड्रिलिंग और अन्वेषण करने से पहले भू-भौतिकीय कार्य पूरा किया जाना है। सोनो में सोने के भंडार की मौजूदगी का पता लगाने के लिए 'जी-4 चरण' की खोज आवश्यक है।'' विभाग ने जीएसआई से इस संबंध में विस्तृत अन्वेषण करने का अनुरोध किया है।क्षेत्र में सोने के भंडार का पता लगाने के लिए काम में तेजी लाने की जरूरत है। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी खनिज भंडार की खोज के चार चरण होते हैं। इन चरणों में टोही सर्वेक्षण (जी-4), प्रारंभिक अन्वेषण (जी-3), सामान्य अन्वेषण (जी-2) और विस्तृत अन्वेषण (जी-1) शामिल है। इकबाल ने कहा, ''जहां तक कोयला ब्लॉक की खोज का सवाल है तो इससे पहले जीएसआई ने भागलपुर जिले के बटेसरथान-कासरी-जगन्नाथपुर क्षेत्र में 'फायरक्ले' के लिए जी-3 की खोज की थी और लगभग गहराई में कोयले के पैच के साथ 'कार्बोनेसियस शेल' की उपस्थिति की सूचना दी थी। यह क्षेत्र मंदार पर्वत ब्लॉक के उत्तर में पड़ता है, जहां केंद्रीय खान योजना और डिजाइन संस्थान (सीएमपीडीआई) ने कोयला ब्लॉक का एक भंडार स्थापित किया है।

हिंसा रोकने के लिए क्या कदम उठाए?

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर की स्थिति को लेकर रिपोर्ट मांगी

कोलकाता (एजेंसी)। मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से राज्य में जातीय हिंसा को रोकने के लिए किए गए उपायों पर विस्तृत स्थिति रिपोर्ट मांगी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने सरकार से बेघर और हिंसा प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास शिविर बनाने, बलों की तैनाती और कानून व्यवस्था की दिशा में उठाए गए कदमों की सूची देने को कहा।

कोर्ट ने मणिपुर सरकार से 10 जुलाई तक रिपोर्ट सौंपने को कहा, जब मामले की अगली सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट मणिपुर हिंसा से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें एक गैर सरकारी संगठन द्वारा दायर याचिका भी शामिल थी। जिसमें अल्पसंख्यक कुकी आदिवासियों के लिए सेना सुरक्षा और उन पर कथित रूप सेहमला करने वाले समूहों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

केंद्र और मणिपुर सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि राज्य में स्थिति में धीरे-धीरे ही सही, सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सिविल पुलिस के अलावा मणिपुर राइफल्स, सीएपीएफ की कंपनियां, सेना की 114 टुकड़ियां और मणिपुर कमांडो मौजूद हैं. उन्होंने कोर्ट को आगे बताया कि राज्य में कर्फ्यू अब 24 घंटे से घटाकर पांच घंटे कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि कुकी समूहों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंसाल्वेस को मामले को 'सांप्रदायिक पहलू' नहीं देना चाहिए और कहा कि 'असली इंसानों के साथ व्यवहार किया जा रहा है। कॉलिन गोंसाल्वेस ने तर्क दिया कि आतंकवादी एक समाचार कार्यक्रम में आए और कहा कि वे 'कुकियों को नष्ट कर देंगे' लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुकियों के खिलाफ हिंसा 'राज्य द्वारा प्रायोजित' थी।

मेजर व कैप्टन रैंक के अफसरों की भारी कमी से जूझ रही भारतीय सेना

नई दिल्ली । इस वक्त भारतीय सेना मेजर और कैप्टन रैंक पर अफसरों की भारी कमी से जूझ रही है। हालांकि इसके लिए सेना ने रास्ता निकाल लिया है। सेना अब यूनिटों में अफसरों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न मुख्यालयों में स्टाफ अफसरों की पोस्टिंग को कम करने की योजना बना रही है और ऐसे पदों पर रिटायर होने के बाद सेवा दे रहे अधिकारियों को तैनात करने पर विचार कर रही है। मीडिया में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक सेना ने हाल ही में इस प्रस्तावित कदम की व्यवहारिकता पर विभिन्न कमांडों से जानकारी मांगी है। इस वक्त मेजर रैंक के मध्य स्तर के अफसरों को लगभग छह साल की सेवा पूरी होने पर विभिन्न कोर, कमांड और डिवीजन मुख्यालयों में स्टाफ तैनाती का पहला अनुभव दिया जाता है। एक स्टाफ तैनाती का मतलब एक मुख्यालय में पोस्टिंग से है, जहां अफसर विभिन्न विषयों की नीति और समन्वय को संभालता है। जबकि एक यूनिट तैनाती में अफसर मुख्य रूप से संचालन और जमीनी कामों के लिए जिम्मेदार होता है। स्टाफ तैनाती का अनुभव उन्हें उनकी सेवा के दौरान बाद की कमांड नियुक्तियों के लिए तैयार करता है। सूत्रों की मानें तो फिलहाल सेना में आर्मी मेडिकल कोर और आर्मी डेंटल कोर समेत 8,129 अफसरों की कमी है। नौसेना और एयरफोर्स में क्रमश: 1,653 और 721 अफसरों की कमी है। अफसरों की इस कमी को ध्यान में रखते हुए सेना ने पहले जहां भी संभव हुआ, कुछ स्टाफ अफसरों की नियुक्तियों में 461 गैर-सूचीबद्ध अफसरों को तैनात किया था। सेना के मौजूदा प्रस्ताव में मुख्यालय में इन स्टाफ तैनातियों में अस्थायी रूप से कुछ कटौती करना भी शामिल है, जब तक कि फोर्स में अफसरों की कमी खत्म न हो जाए। इस दिशा में यह प्रस्ताव दिया जा रहा है कि जूनियर और मध्य स्तर के जो अफसर मौजूदा वक्त में विभिन्न मुख्यालयों में स्टाफ तैनातियों में हैं, उनको 24 महीने का अपना निर्धारित कार्यकाल पूरा करने के बाद बिना किसी राहत के बाहर तैनात कर दिया जाएगा।

आपके पास विज्ञापन के लिए पैसा है, परियोजनाओं के लिए क्यों नही?

दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार

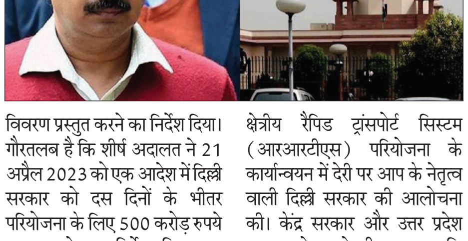

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से पिछले 3 साल का बजट मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपके पास विज्ञापन के लिए पैसा है। आपके पास परियोजनाओं के लिए पैसा क्यों नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना के लिए धन उपलब्ध कराने में असमर्थता व्यक्त करने के लिए इसकी आलोचना की। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की दो-न्यायाधीश पीठ ने आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार को पिछले तीन वित्तीय वर्षों में आरआरटीएस परियोजना के विज्ञापनों पर अपने खर्च का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने 21 अप्रैल 2023 को एक आदेश में दिल्ली सरकार को दस दिनों के भीतर परियोजना के लिए 500 करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया था। हालांकि, 3 जुलाई को दिल्ली सरकार ने धनराशि जमा करने में असमर्थता जताई थी। अदालत ने दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना के कार्यान्वयन में देरी पर आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की आलोचना की। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले ही वह धनराशि उपलब्ध करा दी है जो उन्हें परियोजना के लिए जमा करनी थी। हालाँकि, दिल्ली सरकार ने परियोजना के लिए भुगतान करने में अनिच्छा दिखाई है और दावा किया है कि केंद्र को लागत वहन करनी चाहिए। अदालत ने सरकार से सवाल किया कि उसने विज्ञापनों के लिए धन आवंटित करने पर विचार करते हुए एक परियोजना के लिए बजट में धन का प्रावधान क्यों नहीं किया जो सुचारू परिवहन सुनिश्चित करेगा। अदालत ने कहा कि यदि आपके पास विज्ञापनों के लिए पैसा है, तो आपके पास उस परियोजना के लिए पैसा क्यों नहीं है जो सुचारू परिवहन सुनिश्चित करेगी? इसके अलावा, अदालत ने दिल्ली सरकार को पिछले तीन वित्तीय वर्षों में आरआरटीएस के विज्ञापनों पर खर्च किए गए धन का विस्तृत ब्योरा देने का निर्देश दिया।

सुनील जाखड़ हो सकते हैं पंजाब बीजेपी के नए अध्यक्ष, अहम बैठक में हुई चर्चा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सुनील जाखड़ को पंजाब बीजेपी अध्यक्ष की कमान मिल सकती है। भाजपा की बैठक में इस पर चर्चा भी हुई है। गौरतलब है कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पंजाब भाजपा में बड़ा फेरबदल किए जाने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी सूत्रों का कहना है रविवार को भाजपा आलाकमान की पंजाब में भाजपा के नए प्रधान की नियुक्ति को लेकर एक अहम बैठक हुई है। बैठक में कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आए दिग्गज नेताओं के नाम पर भी चर्चा हुई है। इन नेताओं में सुनील जाखड़, कैप्टन अमरिंदर सिंह और मनप्रीत बादल प्रमुख रूप से शामिल हैं। बताया जा रहा है कि पंजाब में भाजपा के नए प्रधान की नियुक्ति को लेकर सुनील जाखड़ का नाम चर्चा में सबसे से ऊपर है। हालांकि इस मुद्दे पर भाजपा के सभी बड़े नेता खामोश हैं। लेकिन सूत्र बताते हैं कि पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) के पूर्व प्रमुख सुनील जाखड़ को राज्य भाजपा के प्रधान की कमान दी जा सकती है।

मामले से जुड़े जानकारों की माने तो वर्तमान प्रधान अश्वनी शर्मा को 3 विवादास्पद कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के दौरान पार्टी के कदम चिन्हों पर चल रहे थे। किसान और भाजपा आमने-सामने आ गए थे। भाजपा का मानना है कि केंद्र की मोदी सरकार ने पंजाब के जनहित में कई कार्य किए हैं, जिन्हें व्यापक स्तर पर जनता के बीच ले जाने के लिए ऐसा चेहरा चाहिए जो जनता को स्वीकार्य हो। यही वजह है कि पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रमुख सुनील जाखड़ को प्रमुख भूमिका मिलने की संभावना जताई जा रही है।

गौरतलब है कि सुनील जाखड़ पंजाब कांग्रेस में कदावर नेता रहे हैं। वह मई 2022 में भाजपा के राष्ट्रीय पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में भगवा पार्टी में शामिल हुए थे। 2021 में नवजोत सिंह सिद्धू को कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने से पहले उन्होंने 4 साल तक पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाला था। वह गुरदासपुर से सांसद और अबोहर विधानसभा क्षेत्र से 2 बार विधायक भी रह चुके हैं। 68 वर्षीय जाखड़ ने 2012-2016 के बीच पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में भी काम किया है। वह 2017 में पीपीसीसी प्रमुख बने।

सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज, कोर्ट ने कहा गवाहों को प्रभावित कर सकते

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने सिसोदिया के अलावा हैदराबाद के उद्योगपति अभिषेक बोइनपल्ली, शराब कंपनी एम/एस पेरनोड रिचर्ड के मैनेजर बेनॉय बाबू और आप पार्टी के पूर्व संचार प्रभारी विजय नायर की याचिका भी नामंजूर कर दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन के मामले में ये सभी सह-आरोपी हैं। सिसोदिया को घोटाले में कथित भूमिका के लिए सबसे पहले 26 फरवरी को सीबीआई (केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो) ने गिरफ्तार किया था और वह तब से हिरासत में हैं। उच्च न्यायालय सीबीआई वाले मामले में 30 मई को उन्हें जमानत देने से इनकार कर चुका है। उन्हें ईडी ने नौ मार्च को गिरफ्तार किया था और अभी वह न्यायिक हिरासत में हैं।

2020 में 10 मिलियन लोगों की जान कैसर से गई

-शरीर में नजर आने वाले ये बदलाव नहीं करे नजरंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2020 में कैंसर के कारण 10 मिलियन लोगों की मौतें हुई। कैंसर अगर समय रहते सामने आ जाए तो इसका इलाज किया जा सकता है। कैंसर के सबसे आम प्रकार ब्रेस्ट, लंग्स, कोलन, रेक्टम और प्रोस्टेट के कैंसर हैं। समय रहते इस गंभीर बीमारी की पहचान कर ली जाए तो काफी जिंदगी बचाई जा सकती है। कैंसर होने पर शरीर में इसके कुछ लक्षण नजर आते हैं, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। लगातार थकान या अत्यधिक थकान, जो आराम करने पर भी ठीक नहीं होती, विभिन्न प्रकार के कैंसर का लक्षण हो सकती है। इसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है या फिर इसके लिए तनाव, नींद की कमी या अन्य कारकों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। बिना किसी डाइट या व्यायाम के अचानक वजन घटना भी कैंसर का प्रमुख लक्षण हो सकता है। बहुत से लोग इसे उम्र बढ़ने या व्यस्त जीवनशैली का नतीजा मानकर नजरअंदाज कर देते हैं।किसी भी तरह का लगातार दर्द, जैसे सिरदर्द, पीठ दर्द, पेट दर्द या हड्डी में दर्द, कैंसर का लक्षण हो सकता है। दर्द के लिए अक्सर अन्य कारणों को जिम्मेदार ठहराया जाता है और नजरअंदाज कर दिया जाता है। त्वचा में कोई भी ध्यान देने योग्य बदलाव, जैसे काला पड़ना, पीलापन, लालिमा, खुजली, या नए तिल का विकास या वृद्धि को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

संजय राउत ने सीएम शिंदे को बताया अस्थायी मेहमान, अजित पवार नए सीएम

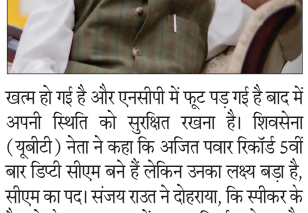

मुंबई (एजेंसी)। यूबीटी सांसद संजय राउत ने सीएम शिंदे को अस्थायी मेहमान बताते हुए अजित पवार को महाराष्ट्र का नया मुख्यमंत्री घोषित किया है। इस तरह से महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाड़ी फिर अपने बयान से चर्चा में आ गई है। हालांकि राजनीतिक भूचाल आने के एक दिन बाद, सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने सीएम शिंदे को लेकर भविष्यवाणी की है। राउत ने कहा है कि राज्य को जल्द ही नया मुख्यमंत्री मिलेगा। संजय राउत ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि शिवसेना के सीएम एकनाथ शिंदे के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं, उनकी सहयोगी बीजेपी को भी इस बात का एहसास हो गया है। संजय राउत ने कहा कि वह एक अस्थायी मेहमान (कुछ दिनों का मेहमान) हैं। गौरतलब है कि सीएसम शिंदे सहित 16 विधायकों की अयोग्यता पर स्पीकर का फैसला जल्द आना है। इधर बीजेपी को एहसास हो गया है कि शिंदे की उपयोगिता खत्म हो गई है और एनसीपी में फूट पड़ गई है बाद में अपनी स्थिति को सुरक्षित रखना है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि अजित पवार रिकॉर्ड 5वीं बार डिप्टी सीएम बने हैं लेकिन उनका लक्ष्य बड़ा है, सीएम का पद। संजय राउत ने दोहराया, कि स्पीकर के फैसले के बाद, राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा और अजीत पवार का सौदा शीर्ष पद के लिए है। राज्य को जल्द ही एक नया सीएम मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मई में कर्नाटक में मिली हार से भाजपा बौखला गई है और हाल के सभी सर्वेक्षण यह संकेत दे रहे हैं कि जब भी यहां चुनाव होंगे तो संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में उसकी और भी बुरी पराजय होगी। यह सब राज्य में अपनी स्थिति बचाने के लिए किया जा रहा है। पहले उन्होंने शिवसेना को तोड़ा और अब उन्होंने राकांपा को विभाजित कर दिया है, लेकिन राज्य के लोग यह सब देख रहे हैं और उन्हें नहीं बख्शेंगे। संजय राउत ने अफसोस जताया कि रविवार 2 जुलाई को, शनिवार तड़के बुलढाणा बस त्रासदी के शव, जो राज्य के विभिन्न हिस्सों से थे, का सामूहिक दाह संस्कार किया जा रहा है। राउत ने कहा कि जैसे ही उनकी चिताएं जलीं, मुंबई में राजभवन में जहां नए उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों ने शपथ ली, वहां खुशियां मनाई गईं, हाथ मिलाया गया और गले मिले, यह अनुचित था, उन्हें कम से कम अपने जश्न से पहले दाह संस्कार की आग बुझने का इंतजार तो करना चाहिए था।

किसी पर ईडी जांच-घोटाले तो किसी पर दाउद से लिंक, महाराष्ट्र के 9 मंत्रियों पर हैं गंभीर आरोप ?

– अब भाजपा से हाथ मिलाकर सभी आरोप ठंडे बस्ते में

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार के साथ बगावत करने वाले जिन 9 वरिष्ठ विधायकों ने एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार में शामिल होते हुए शपथ ली, उनमें छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटील, हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे, अदिति तटकरे, धर्मराव आत्राम, अनिल पाटील और संजय बनसोडे हैं. इनमें से ज्यादातर पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं. रविवार को शरद पवार ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि वे आभारी हैं कि इनलोगों को क्लीनचिट दे दिया गया है. क्या हैं इन लोगों पर आरोप? क्यों इनके पीछे पड़ी थीं जांच एजेंसियां? शिंदे सरकार में शामिल होने से क्या इनके दाग धल गए हैं? अब ऐसा सवाल लोग पूछ रहे हैं. दरअसल अजित पवार के साथ आए पांच से छह मंत्रियों पर अलग-अलग मनी लॉन्ड्रिंग के केस हैं. एक पर तो दाऊद इब्राहिम गैंग के अंडरवर्ल्ड डॉन इकबाल मिर्ची के साथ डील करने का मामला चल रहा है. प्रफुल्ल पटेल के बारे में कयास लगाया जा रहा है कि वे केंद्र में मंत्री बनने वाले हैं. अजित पवार पर शुगर मिल घोटाले से पहले सत्तर हजार करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप था. उन्हें अब तक करीब ढाई दर्जन मामले में क्लीन चिट मिल चुकी है. हाल ही में उनके परिवार से जुड़ी कुछ संपत्तियां ईडी ने छापेमारियां कर कुर्क कीं. हाल का घोटाला जरंडेश्वर शुगर मिल से जुड़ा है. इसे स्पार्कलिंग सॉयल प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी को लीज पर दिया गया. ईडी ने जांच में पाया कि यह कंपनी अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार के नाम है. अजित पवार के साथ एनसीपी के एक और मंत्री छगन भुजबल ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत बालासाहेब ठाकरे के साथ 1960 में शिवसेना से की थी. वे मध्य मुंबई के इलाकों में सब्जियां बेचा करते थे. आज 800 से 1000 करोड़ की संपत्तियों के मालिक हैं. उन पर दिल्ली में स्थित महाराष्ट्र सदन के निर्माण से जुड़े घोटाले का आरोप है. बाद में उन्हें मुंबई सेशंस कोर्ट से बरी कर दिया गया था. साल 2005 से 2006 के दौरान उन पर बिना टेंडर जारी किए केएस चमनकर इंटरप्राइजेस को ठेका देने का आरोप है. 2016 में उन्हें ईडी ने अरेस्ट किया. बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें 2018 में बरी कर दिया.

हसन मुश्रीफ, सुनील तटकरे, धनंजय मुंडे अलग-अलग घोटालों में हैं फंसे

कोल्हापुर के कागल क्षेत्र से एनसीपी नेता और मंत्री हसन मुश्रीफ और उनके दामाद के ठिकानों पर ईडी की छापेमारियां हुई थीं. उन पर बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने फर्जी कंपनियां बनाने और अप्पासाहेब नलवडे शुगर मिल की खरीद से जुड़े घोटालों के आरोप हैं. कलकत्ता की बोगस कंपनी के जरिए संताजी घोरपडे शुगर मिल में 158 करोड़ रुपए ट्रांसफर हुए थे. पैसे कहां से आए, किसने ट्रांसफर किए, क्यों किए? कोई हिसाब-किताब नहीं. इस मिल पर मुश्रीफ परिवार का कब्जा है. इसके अलावा को-ऑपरेटिव बैंक के जरिए किसानों को ठगने का भी आरोप है. शिंदे सरकार में इकलौती महिला मंत्री अदित तटकरे सुनील तटकरे की बेटी हैं. उन पर भी 70 हजार करोड़ के सिंचाई घोटाले का आरोप था. बाद में बरी किए गए. बीड के परली से विधायक धनंजय मुंडे पर तो भ्रष्टाचार ही नहीं महिला के यौन शोषण तक का आरोप लग चुका है.

अब भाजपा से हाथ मिलाकर सभी आरोप ठंडे बस्ते में

अब जब सभी दागियों ने भाजपा के साथ हाथ मिला लिया है तो निश्चित रूप से उन पर लगे सभी आरोप ठंडे बस्ते में चले गए हैं. यानि अब उनके खिलाफ कोई जाँच नहीं होगी बल्कि धीरे-धीरे उन्हें सभी आरोपों से क्लीन चीट मिलता चला जायेगा.

वेस्ट बैंक में इजराइल के हमले से तीन फलस्तीनी मारे गए

यरुशलम ।इजराइल के हमले से तीन फलस्तीनी के मारे जाने की सूचना है। गौरतलब है ?कि इजराइली सेना ने सोमवार सुबह वेस्ट बैंक में उग्रवादियों के गढ़ में बड़े पैमाने पर छापे मारे।स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इन छापों में कम से कम तीन फलस्तीनी मारे गए। सेना के मुताबिक, इजराइली बलों ने जेनिन शरणार्थी शिविर में उग्रवादियों के लिए बने एक एकीकृत कमांड सेंटर पर हमला किया। उसने बताया कि उग्रवादी वहां हमलों के लिए समन्वय तथा तैयारी करने के लिए एकत्रित होने वाले थे।इजराइली मीडिया ने बताया कि सेना ने हवाई हमले भी किए जिसे उसने पिछले दो दशकों के दौरान बड़े पैमाने पर रोक दिया था। इस मामले में फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को तीन फलस्तीनियों की मौत हो गयी तथा 13 घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। एक अलग घटना में वेस्ट बैंक के रामल्ला शहर के समीप इजराइल की गोलीबारी में 21 वर्षीय फलस्तीनी नागरिक की मौत हो गयी। वहीं वेस्ट बैंक में इस साल अब तक मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 131 हो गयी है। इजराइल ने कहा इन हमलों का मकसद उग्रवाद से निपटना है। वहीं, फलस्तीनी लोग इजराइली सेना की बढ़ती मौजूदगी को इलाके पर कब्जा बता रहे हैं।

ईरान में 532 मिलियन लीटर डीजल के साथ तस्कर गिरफ्तार

तेहरान ।ईरान ने सिस्तान और बलूचिस्तान में 532 मिलियन लीटर डीजल की तस्करी के आरोप में 66 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारियां करने वाले ईरान के खुफिया मंत्रालय और इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स के खुफिया संगठन ने ईंधन को जब?त किया। 8 संदिग्ध ईंधन तस्करी नेटवर्क के सदस्य थे, जो दक्षिणपूर्वी ईरान में सक्रिय रहते हैं। उन पर सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में बिजली संयंत्रों, औद्योगिक इकाइयों और मछली पकड़ने वाले जहाजों के बीच ईंधन वितरण करने का आरोप हैं।सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली गई हैं।रिपोर्ट के अनुसार जब्त किए गए 532 मिलियन लीटर डीजल की कीमत 340 मिलियन डॉलर आंकी गई हैं।ईंधन की लागत पर सरकारी सब्सिडी के कारण ईरान में ईंधन तस्करी आम हैं।

ट्विटर यूजर को जल्द मिलेगी यह सुविधा

सैन फांसिस्को ।ट्विटर जल्द ही यूजर्स को 3 घंटे से ज्यादा का वीडियो पोस्ट करने की अनुमति देगा।एलन मस्क ने अमेरिकी कॉमेडियन और पॉडकास्टर थियो वॉन के ट्वीट का जवाब दिया, इस प्लेटफॉर्म पर कॉमेडी लीगल है! मस्क की पोस्ट पर कई यूजर्स ने अपने विचार व्यक्त किए।मई में, मस्क ने ट्विटर ब्लू वेरिफाइड के लिए 2 घंटे के वीडियो (8 जीबी) अपलोड करने की क्षमता की घोषणा की थी।माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफ़ॉर्म ने अपने ट्विटर ब्लू पेज को भी बदल दिया था और घोषणा की थी कि पेड यूजर्स के लिए वीडियो फाइल साइज लिमिट 2जीबी से बढ़ाकर 8जीबी कर दी गई है।इन बदलावों के बावजूद, अधिकतम अपलोड क्वालिटी 1080 पिक्सल बनी हुई है।

भारतीय-अमेरिकी वकील पर धोखाधड़ी का आरोप

न्यूयॉर्क ।अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में चुनाव लड़ चुके एक भारतीय-अमेरिकी वकील को बोस्टन में एक संघीय जूरी ने ग्राहकों से एस्क्रो फंड में पांच मिलियन डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है।50 वर्षीय अभिजीत बीज दास को पिछले सप्ताह भारत में स्थित एक बिजनेस-टू-बिजनेस सप्लाई कंपनी को लाखों डॉलर की धोखाधड़ी करने और ग्राहक निधि का उपयोग व्यवसाय और व्यक्तिगत खर्चों के लिए करने के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।मैसाचुसेट्स के तीसरे कांग्रेसनल जिले में दास को वायर धोखाधड़ी के 10 मामलों में दोषी ठहराया गया। न्याय विभाग के अनुसार, दास ट्रोका ग्लोबल एडवाइजर्स नामक एक बुटीक कानून और सलाहकार फर्म के प्रधान प्रबंधक थे, इसके कार्यालय बोस्टन और न्यूयॉर्क में थे। मई 2020 की शुरुआत में या उसके आसपास, दास ने भारत में दो जुड़वां भाइयों और उनकी रसद आपूर्ति कंपनी को कानूनी प्रतिनिधित्व और एस्क्रो सेवाएं प्रदान करना शुरू किया, जो महामारी के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के बड़े शिपमेंट का समन्वय कर रही थी।अभियोग में आरोप लगाया गया कि दास ने अपने ग्राहकों के खातों से एस्क्रो फंड में 5 मिलियन डॉलर से अधिक को अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिया और इस धन का उपयोग व्यक्तिगत खर्चों के लिए किया। इसमें उनकी लॉ फर्म, उनके होटल के स्वामित्व वाली एक नौका, साथ ही फ्लोरिडा में 2.7 मिलियन डॉलर से खरीदा गया घर शामिल है। अभियोग में आरोप लगाया गया कि दास ने जून 2021 के अभियोग के परिणामस्वरूप अदालत द्वारा अनिवार्य प्री-ट्रायल रिहाई शर्तों पर रहते हुए वायर धोखाधड़ी के 10 मामलों में से नौ को अंजाम दिया।पहले के अभियोग में दास पर अभियान वित्त उल्लंघन, अभियान निधि के गबन और संघीय चुनाव आयोग के समक्ष गलत बयान देने का आरोप लगाया गया था।वायर धोखाधड़ी के प्रत्येक आरोप में 20 साल तक की जेल, तीन साल की निगरानी में रिहाई और 250,000 डॉलर का जुर्माना या सकल लाभ या हानि का दोगुना, जो भी अधिक हो, की सजा का प्रावधान है।

पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोत्तरी

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडी (पीआईसीएसएस) ने कहा कि 2023 की पहली छमाही में पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोत्तरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, पीआईसीएसएस ने एक रिपोर्ट में खुलासा किया कि इस अवधि के दौरान 271 आतंकवादी हमले हुए, उसमें 389 लोगों की जान चली गई और 656 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि तुलनात्मक रूप से, पिछले साल इसी समय सीमा में 151 हमले हुए, इनमें 293 मौतें हुईं और 487 घायल हुए।इसके अतिरिक्त, 2023 की पहली छमाही के दौरान आत्मघाती हमलों में भी वृद्धि देखी गई, इसके बाद 13 हमलों के परिणामस्वरूप 142 मौतें हुईं और 309 घायल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तुलना में, पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान केवल पांच आत्मघाती हमले दर्ज किए गए थे, इसमें 77 मौतें हुईं थीं और 225 घायल हुए थे।

स्वीडिश सरकार ने कुरान जलाने की निंदा की, बताया इस्लामोफोबिक कृत्य

स्वीडन ने स्टॉकहोम की मुख्य मस्जिद के बाहर एक व्यक्ति द्वारा कुरान जलाने की हालिया घटना की निंदा की है और कहा है कि यह एक इस्लामोफोबिक कृत्य है। स्वीडिश विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये कृत्य स्वीडिश सरकार के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। भविष्य में इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सामूहिक कार्रवाई के लिए इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के आह्वान के बाद यह बयान आया। बयान में स्वीडिश विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि वे देश में प्रदर्शनों के दौरान लोगों द्वारा किए गए इस्लामोफोबिक कृत्यों के कारण मुसलमानों को होने वाले अपराध से अवगत थे और समझते थे। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि

स्वीडन सरकार पूरी तरह से समझती है कि स्वीडन में प्रदर्शनों में व्यक्तियों द्वारा किए गए इस्लामोफोबिक कृत्य मुसलमानों के लिए अपमानजनक हो सकते हैं। बता दें कि स्वीडन में रहने वाले इराकी सलवान मोमिका ने स्टॉकहोम की केंद्रीय मस्जिद के सामने मुस्लिम पाठ की एक प्रति में आग लगा दी। कुरान जलाया गया जब दुनिया भर के मुसलमानों ने मुस्लिम कैलेंडर के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक ईद अल-अजहा का पहला दिन मनाया। ईद उल अजहा के दिन कुरान जलाने का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि स्टॉकहोम की एक मस्जिद के सामने दो लोग कुरान को फुटबॉल की तरह पैरों से मारते नजर आ रहे हैं। फिर उसे जमीन पर फेंकते हैं और पैरों से कुचलत हैं। आखिर में फाड़कर आग के हवाले कर देते है।

पेरिस में एक किशोर नेहल की मौत के बाद हुई हिंसा के दौरान एक वाहन को रोक रहे युवाओं को हटाती हुई पुलिस।

तनाव कम करने अमेरिका की वित्त मंत्री येलेन जाएंगी चीन यात्रा पर

वाशिंगटन ।अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन चीन यात्रा पर जा रही हैं। येलेन अमेरिका-चीन संबंधों को बेहतर बनाने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत बृहस्पतिवार को बीजिंग की यात्रा करेंगी। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। येलेन ने चीन से आर्थिक संबंध तोड़ने की धारणा को विनाशकारी करार दिया है और पिछले वर्ष कई बार उन्होंने कहा था कि वह चीन की यात्रा करना चाहती हैं। उनका कहना है कि भू-राजनीति तथा आर्थिक विकास को लेकर अपने तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद दोनों देश एक साथ रहने का रास्ता ढूंढ सकते हैं और उन्हें ऐसे रास्तों को तलाशने की जरूरत है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक येलेन इस सप्ताह चीन के अधिकारियों, चीन में व्यापार करने वाली अमेरिकी कंपनियों और चीन के लोगों के साथ मुलाकात करेंगी। नौ जुलाई तक वह वहां रहेंगी। अधिकारी ने बताया कि उनकी यात्रा का मकसद अमेरिका और चीन के बीच संवाद बढ़ाना है।हालांकि साझा हित के क्षेत्र स्पष्ट हैं जिनपर येलेन बात कर सकती हैं।हालां?कि इसमें कई मुद्दों पर असहमतियां भी हैं जिनका समाधान एक यात्रा से नहीं होगा। बतादें कि अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी हाल ही में चीन की दो दिवसीय यात्रा पर गए थे। दोनों देशों के बीच कई मुद्दों को लेकर असहमति और संभावित टकराव है। इसमें ताइवान के साथ व्यापार, चीन तथा हांगकांग में मानवाधिकार की स्थिति से लेकर दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य मौजूदगी और यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे मुद्दे शामिल हैं।

खालिस्तान ने जारी किया धमकी भरा पोस्टर

- पोस्टर में आतंकी हरदीप निज्जर को बताया शहीद, सोशल मीडिया पर किया शेयर

ओटावा (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में भारतीय राजनयिकों को धमकी दी है। इसका एक पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है। पोस्टर में खालिस्तान समर्थक और आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर को शहीद बताया जा रहा है और भारतीय राजनयिकों को हत्यारा करार दिया गया है। खालिस्तान कमांडो फोर्स के मुखिया हरदीप सिंह निज्जर की पिछले महीने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह भारत के खिलाफ गतिविधियों और हिंसा में शामिल था। भारत सरकार ने निज्जर पर 10 लाख रुपए का इनाम रखा था। इस पोस्टर को ट्विटर पर शेयर करते हुए वरिष्ठ पत्रकार टेरी माइलवस्की ने लिखा, यह बेहद खतरनाक है। उन्होंने लिखा ?कि खालिस्तानी भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं, जिन्हें वह शहीद हरदीप निज्जर का हत्यारा बता रहे हैं जिसे 18 जून को गोली मार दी गई थी। इसमें भारत की किसी तरह की भूमिका का कोई सबूत नहीं है। घोर गैरजिम्मेदाराना।

खालिस्तानी पोस्टर में 8 जुलाई को दोपहर 12ऱ30 बजे एक रैली की बात कही जा रही है। इसे खालिस्तान फ्रीडम रैली कहा जा रहा है जो पोस्टर के मुताबिक ग्रेट पंजाब बिजनेस सेंटर से शुरू होकर भारतीय दूतावास तक जाएगी। इसमें भारतीय

राजनयिकों की फोटो भी लगी है और उनके आगे हत्यारा लिखा हुआ है। पोस्टर में सबसे नीचे दो मोबाइल नंबर भी लिखे हुए हैं। कुछ महीनों पहले कई देशों में खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय संस्थानों और हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया था। दुनियाभर से ऐसी कई घटनाएं सामने आई थीं। पिछले महीने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम में खालिस्तान समर्थकों का सामना करना पड़ा था। पिछले महीने मारा गया आतंकी हरदीप निज्जर पंजाब के जालंधर का रहने वाला था। कनाडा में वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देता था। उसने कई हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने की साजिश रची थी।

खालिस्तान के धमकी भरे पोस्टर पर जयशंकर की चेतावनी, आपसी रिश्ते के लिए अच्छा नहीं...

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कनाडा को खालिस्तानी तत्वों को जगह देने के खिलाफ चेतावनी दी।जयशंकर का बयान यह सामने आने के बाद आया कि कनाडा में खालिस्तानी धमकी वाले पोस्टरों में भारतीय राजनयिकों के नाम थे।जयशंकर ने कहा कि भारत ने खालिस्तानी पोस्टरों में भारतीय राजनयिकों की तस्वीरों का मुद्दा कनाडाई अधिकारियों के समक्ष उठाया था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने कनाडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे साझेदार देशों से संपर्क किया है और उनसे खालिस्तानी समूहों को जगह नहीं देने का अनुरोध किया है।उन्होंने चेतावनी दी कि इससे देशों के बीच संबंधों पर असर पड़ेगा। विदेश मंत्री ने भाजपा के आउटरीच अभियान के मौके पर संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि हमने कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे अपने साझेदार देशों से, जहां कभी-कभी खालिस्तानी गतिविधियां होती हैं। खालिस्तानियों को जगह न देने का अनुरोध किया है। क्योंकि वे (खालिस्तानी) कट्टरपंथी हैं, चरमपंथी सोच न तो हमारे लिए अच्छी है, न उनके लिए और न ही हमारे लिए।

मतृक नाहेल की दादी की दंगाईयों से अपील, दंगा रोक दें

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस में पुलिस की गोली लगने से मारे गए एक किशोर की दादी ने लोगों से दंगा रोकने की गुहार लगाकर शांति की अपील की है। जबकि अधिकारियों ने मेयर के घर को निशाना बनाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। मृतक किशोर की नाहेल की दादी नादिया ने कहा, खिड़कियां, बसें...स्कूलों को न तोड़ें। हम चीजों को शांत करना चाहते हैं।

किशोर की दादी ने कहा कि मैं उन्हें (दंगाइयों को) रुकने के लिए कह रही हूं। रिपोर्ट के अनुसार, उपनगर नैनटेरे में ट्रैफिक स्टॉप से दूर जाते समय कथित तौर पर उत्तर अफ्रीकी मूल के किशोर को गोली मार दी गई थी, इसके बाद से पूरे फ्रांस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। नाहेल की दादी ने कहा कि उन्हें उस अधिकारी पर नाराजगी है, जिसने उनके पोते को मार डाला, लेकिन सामान्य तौर पर पुलिस पर नहीं। उन्होंने न्याय प्रणाली में विश्वास व्यक्त किया। नाहेल की हत्या के आरोपी अधिकारी पर स्वैच्छिक हत्या का प्रारंभिक आरोप लगाया गया है।

गौरतलब है कि यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले तेरह लोगों को पिछले साल फ्रांसीसी पुलिस ने गोली मार दी थी, और इस साल तीन लोगों को गोली मार दी गई, जिससे अधिक जवाबदेही की मांग उठने लगी। रविवार को, दक्षिणी उपनगर के मेयर विंसेंट जीनब्रून ने कहा कि दंगाइयों के हमले में उनकी पत्नी और उनके बच्चे, जिनकी उम्र पांच और सात साल है, घायल हो गए। अपने घर पर हमले के दौरान रूढ़िवादी लेस रिपब्लिकन पार्टी के जीनब्रून, टाउन हॉल में हिंसा की निगरानी कर रहे थे। जीनब्रून ने सरकार से आपातकाल की स्थिति लागू करने का आग्रह किया।

नाहेल की मौत के बाद से कुल मिलाकर 3,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। बड़े पैमाने पर पुलिस की तैनाती का भयभीत निवासियों और दुकान मालिकों ने स्वागत किया, जिनकी दुकानों में तोड़फोड़ की गई है।

गुपचुप तरीके से पाकिस्तान पहुंचे जैक मा, चीनी दूतावास को भी नहीं लगी भनक

काठमांडू (एजेंसी)। चीनी अरबपति और अलीबाबा ग्रुप के सह संस्थापक जैक मा अचानक पाकिस्तान के दौरे पर चले गए हैं। जिसके बाद से ही पाकिस्तान में इसको लेकर हलचल बढ़ गई है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट के पूर्व अध्यक्ष मुहम्मद अजफर अहसन ने जैक मा के पाकिस्तान यात्रा के बारे में पुष्टि की है। जैक मा सरकारी अधिकारियों और मीडियाकर्मियों से बातचीत करने से बचते रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी अरबपति 29 जून को लाहौर पहुंचे और 23 घंटे तक वहां रहे।

बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट (बीओआई) के पूर्व अध्यक्ष, मुहम्मद अजफर अहसन ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि जैक मा की यात्रा गोपनीय थी और उम्मीद है कि यह जल्द ही पाकिस्तान के लिए 'सकारात्मक परिणाम' देगा। उन्होंने बताया कि जैक मा के साथ सात व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी था जिसमें पांच चीनी नागरिक, एक डेनिश और एक अमेरिकी नागरिक शामिल थे। ऐसी अटकलें थीं कि जैक मा और उनकी टीम नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में व्यापार के अवसर तलाश रही है,लेकिन आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है।

विशेष रूप से, जैक मा अब चीनी फिनटेक दिग्गज एंट ग्रुप को नियंत्रित नहीं करते हैं - क्योंकि फर्म के शेयरधारकों ने इस साल की शुरुआत में समायोजन की एक श्रृंखला लागू की थी। जैक मा के साथ सात व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी था, जिसमें पांच चीनी नागरिक एक डेनिश व्यक्ति और एक अमेरिकी नागरिक शामिल थे।

जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति को बताया कमजोर, कहा- वैगनर विद्रोह के बाद पुतिन ने अपने लोगों पर नियंत्रण खो दिया

जेरुसलेम (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने वैगनर ग्रुप विद्रोह पर व्लादिमीर पुतिन की प्रतिक्रिया को 'कमजोर' करार दिया है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति अपने ही लोगों पर नियंत्रण खो रहे हैं। यूक्रेनी सेना एक साल से अधिक समय से जेलेंस्की के नेतृत्व में रूसी आक्रमण का विरोध कर रही है। उन्होंने सीएनएन को एक साक्षात्कार में बताया कि पुतिन उन क्षेत्रों में स्थिति को नियंत्रित नहीं करते हैं क्योंकि वैगनर रूस में काफी अंदर चले गए हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि रूसी नेता के पास जो 'शक्ति का शिखर' था वह ढह रहा है। 24 घंटे तक चले विद्रोह के दौरान सोशल मीडिया रूसी भीड़ द्वारा वैगनर विद्रोहियों की जय-जयकार करने के वीडियो से भरा हुआ था। सीएनएन द्वारा सत्यापित एक वीडियो में, 24 जून को रोस्तोव-ऑन-डॉन से प्रस्थान करते समय भीड़ ने वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन के वाहन की जय-जयकार की।

ज़ेलेंस्की के अनुसार यूक्रेनी खुफिया रिपोर्टों से पता चला है कि क्रेमलिन ने प्रिगोझिन के लिए समर्थन मांग। यह दावा करते हुए कि देश के आधे हिस्से ने निजी भाड़े की सेना का समर्थन किया। मॉस्को एक बड़ी शर्मिंदगी को टालने में सफल रहा क्योंकि प्रिगोझिन ने रूसी राजधानी से सिर्फ सौ किलोमीटर पहले विद्रोह बंद कर दिया। विद्रोह के कुछ दिनों बाद पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में, वैगनर बॉस ने स्पष्ट किया कि विद्रोही रूसी नेतृत्व को उखाड़ फेंकना नहीं चाहते थे।

वैगनर विद्रोह ने पुतिन के नेतृत्व और रूस में मामलों की स्थिति पर उनके नियंत्रण पर सवाल उठाए हैं। सोमवार को क्रेमलिन ने कहा कि खुफिया सेवाओं

समेत सभी सरकारी एजेंसियां ??वैसे ही काम कर रही हैं जैसे उन्हें करना चाहिए। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव से जब पूछा गया कि शीर्ष खुफिया एजेंसी ने विद्रोह शुरू होने से पहले उसका नेतृत्व क्यों नहीं किया, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका से और एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदेगा इजराइल

यरुशलम। (एजेंसी)। इजराइल आने वाले दिनों में अमेरिका से 25 एफ-35 विमान खरीदेगा, जिससे उसके 'स्टील्थ' लड़ाकू विमानों के शस्त्रागार में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की कि एफ-35 दुनिया का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान है और पश्चिम एशिया में इजराइल ही ऐसा देश है जिसके पास ये लड़ाकू विमान हैं। तीन अरब डॉलर के इस सौदे को आगामी महीनों में अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके साथ ही इजराइल के एफ-35 विमानों का बेड़ा 50 से बढ़कर 75 हो जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, इस सौदे को इजराइल को अमेरिकी सैन्य सहायता के जरिए वित्त पोषित किया जाएगा और विमान के निर्माता लॉकहीड मार्टिन तथा उसके इंजन के निर्माता प्रैट एंड व्हिटनी ने उत्पादन प्रक्रिया में इजराइली कंपनियों को शामिल करने की प्रतिबद्धता जतायी है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''नया समझौता विमान के पुर्जों के उत्पादन में अमेरिकी कंपनियों और इजराइली रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग की निरंतरता सुनिश्चित करेगा।'' इजराइल ने अपने शस्त्रागार में वृद्धि करने की यह घोषणा ऐसे समय में की है जब इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ गया है। ईरान को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानने वाले इजराइल ने ईरानी ड्रोनों को गिराने में भी पहले एफ-35 विमानों का इस्तेमाल किया था और उसने ईरान के परमाणु ठिकानों पर लंबी दूरी के हमले करने की धमकी भी दी है। वह ईरान पर परमाणु हथियार विकसित करने का आरोप लगाता है। हालांकि, ईरान इन आरोपों को खारिज करता है।

अमेरिका के खिलाफ वॉर की तैयारी में है चीन! रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार ने किया आगाह

वॉशिंगटन (एजेंसी)। 2024 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने %कम्युनिस्ट% चीन द्वारा सैन्य निर्माण के मद्देनजर अमेरिकी सरकार को चेतावनी दी है। चीन की आश्चर्यजनक नौसैनिक क्षमताओं और सैन्य प्रौद्योगिकी में प्रगति का हवाला देते हुए हेली ने संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए गंभीर खतरे का मुद्दा उठाया। हेली ने फॉक्स न्यूज संडे पर कहा कि यदि आप सैन्य स्थिति को देखें, तो उनके पास अब दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक बेड़ा है।

हेली ने कहा कि उनके पास 340 जहाज़ हैं, हमारे पास 293 जहाज़ हैं। उनके पास दो वर्षों में 400 जहाज़ होंगे, हमारे पास दो दशकों में 350 भी नहीं होंगे। उन्होंने हाइपरसोनिक मिसाइलें विकसित करना शुरू कर दिया है। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। हेली ने अमेरिकी सेना में बढ़ती जागरुक संस्कृति के लिए भी अधिकारियों की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा के मामले में चीन कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अमेरिका से आगे निकल रहा है। वे (चीन) अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं, हमारी सेना लिंग सर्वनाम कक्षाएं ले रही है। देखो वे साइबर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष पर क्या कर रहे हैं। वे हमसे आगे हैं।

हेली ने कहा कि हमें कुछ काम करना है और हमें अपनी सेना को मजबूत करने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम सही हैं। संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत ने खतरे की घंटी बजाते हुए कहा कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। हेली ने चेतावनी देते हुए कहा कि दशकों से हमारे साथ युद्ध की तैयारी कर रहा है और हमें चीन से जिस तरह निपटना है, उसे कल के बारे में नहीं सोचना चाहिए।

संपादकीय

चलते-चलते

जीवन में तुफान तो आते रहते है क्योंकि ठहराव का जीवन व्यर्थ है। जिस जीवन मे संघर्ष न हो उसका जीवन बेअर्थ ही है। उसका हीजीवन धन्य होता है जिसके मन मे विजय के गीत है। ज्ञान यही है जीवन का कि डर के आगे जीत है।। कठिन पथ पर हे राही तुमकोचलते जाना है । बिना रुके बिना डरे बस आगे से आगे बढ़ते जाना है । हौसलों की ऊंची उड़ान से आसमाँ छू जाना है । डर के आगे जीतहै यह दुनिया को दिखलाना है । दुनिया भर से हम बातें करते है सम्पर्क रखते है लेकिन जब हमारी खुद की बारी आती हैं तो उस नेटवर्ककी सभी लाइनें व्यस्त मिलती हैं ।

क्योंकि हमने संसार के रोशन - बेरोशन दीपक आदि को तो खूब निहारे पर अपने अंतर्मन की ज्योत को जलाना भुल गए ।हमेशा दुनियाकी भीड़ में टहलते रहे पर हमको को ज़रा भी फ़ुरसत नही खुद के साथ घूमने की ।क्योंकि हमने इसकी-उसकी, तेरी-मेरी आदि - आदिकरते करते कितना कुछ खो दिया हैं कि अब कुछ पाने के लिए बचा नही हैं । माना कि बेशक यह रस्म दुनिया ने हमसे छीनी हैं पर हमएक बार अपने अंतस को संवार कर सही से देख ले । हमने खूब दौड़ भेड़ सी चाल में खुद दौड़कर लगा ली हैं इसमें वापस आ कर स्वयंसे मिल तो ले ।जो खोया वो पाकर देखो अपने भीतर अपने से मिलते ही सारी लाइनें नेटवर्क एरिया में आ जाएगी और मज़बूती से जुड़ीरहेंगी ।क्योंकि हम निश्चय ही नया सही मोड़ वहाँ से ले सकते हैं जहाँ पे हम अभी तक पहुँच गए हैं एवं अंतिम परिणाम सही से परिवर्तितकर सकते हैं ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

अंधेरी दुनिया का बिंदुओं से कंप्यूटर तक का सफर

(लेखक - विद्यावास्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचन्द जैन)

(4 जुलाई विश्व ब्रेल दिवस)

लुई ब्रेल ने ब्रेल लिपि का आविष्कार किया था। उनका जन्म 4 जनवरी, 1809 को हुआ था। 4 जुलाई को उनकी याद में विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है।

लुई ब्रेल ने एक दुर्घटना में अपनी दृष्टि खो दी थी। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में इस लिपि का आविष्कार किया था। दुनिया में नेत्रहीन, दृष्टिहीन या आंशिक रूप से नेत्रहीन लोगों की जिंदगी आसान करने और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने में ब्रेल लिपि का बड़ा हाथ है। ब्रेल कोई भाषा नहीं है। ये एक कोड है। ब्रेल लिपि में उभरे हुए बिंदुओं से कोड बनाया जाता है। इनमें 6 बिंदुओं की तीन पंक्तियां होती हैं। जिनमें कोड निहित होते हैं।

लुई ब्रेल को ब्रेल लिपि का आइडिया नेपोलियन की सेना के एक कैप्टन चार्ल्स बार्बियर से आया था। बार्बियर लुई के स्कूल आए हुए थे, उस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ नाइट राइटिंग की विधि शेयर की, जिसमें सैनिक दुश्मनों की पकड़ में न आने के लिए उभरे हुए बिंदुओं में छिपे संदेश का इस्तेमाल करते थे।

अब ब्रेल लिपि कागजों से प्रगति कर कंप्यूटर तक पहुंच गई है। दृष्टिहीन लोगों के इस्तेमाल के लिए इलेक्ट्रो-मैकेनिकल डिवाइस बनाई गई है, इसे रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्पले या ब्रेल टर्मिनल कहते हैं।

इस कंप्यूटर में गोल-नुकीले बिंदु उभरे होते हैं, जिनकी मदद से व्यक्ति इसे इस्तेमाल कर पाता है। लुई ब्रेल (4 जनवरी 1809 - 6 जनवरी 1852) फ्रांस के शिक्षाविद तथा अन्वेषक थे जिन्होने अंधों के लिये लिखने तथा पढ़ने की प्रणाली विकसित की। यह पद्धति ब्रेल नाम से जगप्रसिद्ध है। फ्रांस में जन्मे लुई ब्रेल अंधों के लिए ज्ञान के चक्षु बन गए। ब्रेल लिपि के निर्माण से नेत्रहीनों की पढ़ने की कठिनाई को मिटाने वाले लुई स्वयम भी नेत्रहीन थे।

लुइस ब्रेल का जन्म 4 जनवरी 1809 में फ्रांस के छोटे से ग्राम कुप्रे में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। इनके पिता साइमन रेले ब्रेल शाही घोडों के लिये काठी और जीन बनाने का कार्य किया करते थें। पारिवारिक आवश्यकताओं के अनुरूप पर्याप्त आर्थिक संसाधन नहीं होने के कारण साइमन को अतिरिक्त मेहनत करनी होती थी इसीलिये जब बालक लुइस मात्र तीन वर्ष के हुये तो उनके पिता ने उसे भी अपने साथ घोड़ों के लिये काठी और जीन बनाने के कार्य में लगा लिया। अपने स्वभाव के अनुरूप तीन वर्षीय बालक अपने आस पास उपलब्ध वस्तुओं से खेलने में अपना समय बिताया करता था इसलिये बालक लुइस के खेलने की वस्तुये वही थीं जो उसके पिता द्वारा अपने कार्य में उपयोग की जाती थीं जैसे कठोर लकड़ी, रस्सी, लोहे के टुकडे, घोड़े की नाल, चाकू और काम आने वाले लोहे के औजार। किसी तीन वर्षीय बालक का अपने नजदीक उपलब्ध वस्तुओं के साथ खेलना और शरारतों में लिप्त रहना नितांत स्वाभाविक भी था। एक दिन काठी के लिये लकड़ी को काटते में इस्तेमाल किया जाने वाली चाकू अचानक उछल कर इस नन्हें बालक की आंख में जा लगी और बालक की आँख से खून की धारा बह निकली। रोता हुआ बालक अपनी आंख को हाथ से दबाकर सीधे घर आया और घर में साधारण जडी लगाकर उसकी आँख पर पट्टी कर दी गयी। शायद यह माना गया होगा कि छोटा बालक है सो शीघ्र ही चोट स्वतः ठीक हो जायेगी। बालक लुइस की आंख के ठीक होने की प्रतीक्षा की जाने लगी। कुछ दिन बाद बालक लुइस ने अपनी दूसरी आंख से भी कम दिखलायी देने की शिकायत की परन्तु यह उसके पिता साइमन की साघन हीनता रही होगी अथवा लापरवाही जिसके चलते बालक की आँख का समुचित इलाज नहीं कराया जा सका और धीरे धीरे वह नन्हा बालक आठ वर्ष का पूरा होने तक पूरी तरह दृष्टि हीन हो गया। रंग बिरंगे संसार के स्थान पर उस बालक के लिये सब कुछ गहन अंधकार में डूब गया। अपने पिता के चमडे के उद्योग में उत्सुकता रखने वाले लुई ने अपनी आखें एक दुर्घटना में गवां दी। यह दुर्घटना लुई के पिता की कार्यशाला में घटी। जहाँ तीन वर्ष की उम्र में एक लोहे का सूजा लुई की आँख में घुस गया। यह बालक कोई साधरण बालक नहीं था। उसके मन में संसार से लडने की प्रबल इच्छाशक्ति थी। उसने हार नहीं मानी और फ्रांस के मशहूर पादरी बैलेन्टाइन की शरण में जा पहुंचा। पादरी बैनेन्टाइन के प्रयासों के चलते 1819 में इस दस वर्षीय बालक को ' रायल इन्स्टीट्यूट फार ब्लाइन्डस् ' में दाखिला मिल गया। यह वर्ष 1821 था। बालक लुइस अब तक बारह बर्ष का हो चुका था। इसी दौरान विद्यालय में बालक लुइस को पता चला कि शाही सेना के सेवानिवृत कैप्टेन चार्लस बार्बर ने सेना के लिये ऐसी कूटलिपि का विकास किया है जिसकी सहायता से वे टटोलकर अंधेरे में भी संदेशों के पढ सकते थे। कैप्टेन चार्लस बार्बर का उद्देश्य युद्व के दौरान सैनिकों को आने वाली परेशानियों को कम करना था। बालक लुइस का मष्तिष्क सैनिकों के द्वारा टटोलकर पढ़ी जा सकने वाली कूटलिपि में दृष्टिहीन व्यक्तियो के लिये पढने की संभावना ढूंढ रहा था। उसने पादरी बैलेन्टाइन से यह इच्छा प्रगट की कि वह कैप्टेन चार्लस बार्बर से मुलाकात करना चाहता है। पादरी ने लुइस की कैप्टेन से मुलाकात की व्यवस्था करायी। अपनी मुलाकात के दौरान बालक ने कैप्टेन के द्वारा सुझायी गयी कूटलिपि में कुछ संशोधन प्रस्तावित किये। कैप्टेन चार्लस बार्बर उस अंधे बालक का आत्मविश्वाश देखकर दंग रह गये। अंततः पादरी बैलेन्टाइन के इस शिष्य के द्वारा बताये गये संशोधनों को उन्होंने स्वीकार किया कालान्तर में स्वयं लुइस ब्रेल ने आठ वर्षो के अथक परिश्रम से इस लिपि में अनेक संशोधन किये और अंततः 1829 में छह बिन्दुओ पर आधारित ऐसी लिपि बनाने में सफल हुये। लुइस ब्रेल के आत्मविश्वाश की अभी और परीक्षा होना बाकी था इसलिये उनके द्वारा आविष्कृत लिपि को तत्कालीन शिक्षाशास्त्रियों द्वारा मान्यता नहीं दी गयी और उसका माखौल उडाया गया।

सेना के सेवानिवृत कैप्टेन चार्लस बार्बर के नाम का साया लगातार इस लिपि पर मंडराता रहा और सेना के द्वारा उपयोग में लाये जाने के कारण इस लिपि को सेना की कूटलिपि ही समझा गया परन्तु लुइस ब्रेल ने हार नहीं मानी और पादरी बैलेन्टाइन के संवेदनात्मक आर्थिक एवं मानसिक सहयोग से इस शिष्य ने अपनी अविष्कृत लिपि को दृष्टि हीन व्यक्तियों के मध्य लगातार प्रचारित किया। उन्होंने सरकार से प्रार्थना की कि इसे दृष्टिहीनों की भाषा के रूप में मान्यता प्रदान की जाय। यह लुइस का दुर्भाग्य रहा कि उनके प्रयासों को सफलता नहीं मिल सकी और तत्कालीन शिक्षाशाष्त्रियों द्वारा इसे भाषा के रूप में मान्यता दिये जाने योग्य नहीं समझा गया। अपने प्रयासों को सामाजिक एवं संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिये संर्घषरत लुइस 43 वर्ष की अवस्था में अंततः 1852 में जीवन की लडाई से हार गये परन्त् उनका हौसला उनकी मृत्यु के बाद भी नहीं

उनका देहान्त 6 जनवरी 1852 को हुआ। लुइस ब्रेल द्वारा अविष्कृत छह बिन्दुओ पर आधारित लिपि उनकी मृत्यु के उपरान्त दृष्िहीनों के मध्य लगातार लोकप्रिय होती गयी। लुइस की मृत्यु की घटना के बाद शिक्षाशाष्त्रियों द्वारा उनके किये गये कार्य की गम्भीरता को समझा जाने लगा और दृष्िहीनों के मध्य लगातार मान्यता पाती जा रही लिपि के प्रति अपने पूर्वाग्रहपूर्ण दकियानूसी विचारों से बाहर निकलतें हुये इसे मान्यता प्रदान करने की दिशा में विचारित किया गया। अंततः लुइस की मृत्यु के पूरे एक सौ वर्षों के बाद फ्रांस में 20 जून 1952 का दिन उनके सम्मान का दिवस निर्धारित किया गया। इस दिन उनके ग्रह ग्राम कुप्रे में सौ वर्ष पूर्व दफनाये गये उनके पार्थिव शरीर के अवशेष पूरे राजकीय सम्मान के साथ बाहर निकाले गये। उस दिन जैसे लुइस के ग्राम कुप्रे में उनका पुर्नजन्म हुआ। स्थानीय प्रशासन तथा सेना के आला अधिकारी जिनके पूर्वजों ने लुइस के जीवन काल में उनको लगातार उपेक्षित किया तथा दृष्िहीनों के लिये उनकी लिपि को गम्भीरता से न लेकर उसका माखौल उडाया अपने पूर्वजों के द्वारा की गयी गलती की माफी मांगने के लिये उनकी समाधि के चारों ओर इकट्ठा हुये। लुइस के शरीर के अवशेष ससम्मान निकाले गये। सेना के द्वारा बजायी गयी शोक धुन के बीच राष्ट्रीय ध्वज में उन्हें पुनः लपेटा गया और अपनी ऐतिहासिक भूल के लिये उत्खनित नश्वर शरीर के अंश के सामने समूचे राष्ट् ने उनसे माफी मांगी। राष्ट्रीय धुन बजायी गयी और इस सब के उपरान्त धर्माधिकारियों के द्वारा दिये गये निर्देशन के अनुरूप लुइस से ससम्मान चिर निद्रा में लीन होने प्रार्थना की गयी और इसके लिये बनाये गये स्थान में उन्हें राष्ट्रीय सम्मान के साथ पुनः दफनाया गया। सम्पूर्ण वातावरण ऐसा अनुभव दे रहा था जैसे लुइस पुनः जीवित हो उठे है। इस प्रकार एक राष्ट के द्वारा अपनी ऐतिहासिक भूल का प्रायश्चित किया गया परन्तु लूइस द्वारा किये गये कार्य अकेले किसी राष्ट्र के लिये न होकर सम्पूर्ण विश्व की दृष्िहीन मानव जाति के लिये उपयोगी थे अतः सिर्फ एक राष्ट् के द्वारा सम्मान प्रदान किये जाने भर से उस मनीषी को सच्ची श्रद्वांजलि नहीं हो सकती थी।

विगत वर्ष 2009 में 4 जनवरी को जब लुइस ब्रेल के जन्म को पूरे दो सौ वर्षो का समय पूरा हुआ तो लुई ब्रेल जन्म द्विशती के अवसर पर हमारे देश ने उन्हें पुनः पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जब इस अवसर पर उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया। यह शायद पहला अवसर नहीं है जब मानव जाति ने किसी महान आविष्कारक के कार्य को उसके जीवन काल में उपेक्षित किया और जब वह महान आविष्कारक नहीं रहे तो उनके कार्य का सही मूल्यांकन तथा उन्हें अपेक्षित सम्मान प्रदान करते हुये अपनी भूल का सुधार किया। ऐसी परिस्थितियां सम्पूर्ण विश्व के समक्ष अक्सर आती रहती हैं जब किसी महान आत्मा के कार्य को समय रहते ईमानदारी से मूल्यांकित नहीं किया जाता तथा उसकी मृत्यु के उपरान्त उसके द्वारा किये गये कार्य का वास्तविक मूल्यांकन हो पाता है। ऐसी भूलों के लिये कदाचित परिस्थितियों को निरपेक्ष रूप से न देख पाने की हमारी अयोग्यता ही हो सकती है।

हिंसा की आग में सुलगता फ्रांस ?

(लेखक -सुनील माथुर)

फ्रांस इस समय दुनिया की सुर्खियों में है। देश भर में लोग हिंसक और उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंक्रो सरकार हाशिए है। प्रदर्शन तेज होता जा रहा है। निश्चित रूप से सारे घटनाक्रम की वजह फ्रांस की पुलिस और वहां का असहिष्णु कानून है जिसकी वजह से देश हिंसा की आग में जल रहा है। ट्रैफिक नियमों का कथित रूप से अनुपालन न करने पर एक किशोर को जांच की आड़ में गोली मार दी गई। कार चालक 17 वर्षीय किशोर नाहेल एम पर आरोप था कि उसने वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस पर रिवाल्वर तान दिया था। निश्चित रूप से इसकी जितनी आलोचना की जाय वह कम है। दुनिया भर में मानवीय और उसके अधिकार सर्वोपरी होना चाहिए।

मीडिया की खबरों और उसके विश्लेषण से पता चलता है कि पुलिस अपनी नाकामी छुपाने के लिए निर्दोष युवक पर इस तरह का आरोप मढ रही है। नाहेल ने अगर ट्रैफिक नियम को तोड़ा था तो उसे दूसरे तरीके से भी सजा दी जा सकती थी। यह जुर्म इतना बड़ा नहीं था कि उसे गोली मार दी जाय। निश्चित रूप से पुलिस ने फ्रांस के लचीले कानून का दुरुपयोग किया है। गोली मारने की यह पहली घटना नहीं है इसके पूर्व भी कई लोग शिकार हुए हैं। मीडिया मे यह तथ्य भी सामने आए हैं कि पुलिस नस्लीय मानसिकता में भी बेगुनाहों को निशाना बनाती है।

फ्रांस एक संप्रभु और लोकतान्त्रिक देश है। उसे ऐसे विवादित और कठोर कानून से बचना चाहिए। क्योंकि कानूनी आड़ में इसका दुरुपयोग किया जाता है। सरकार ट्रैफिक नियमों को इतना कठोर बनाकर लोकतांत्रिक अधिकारों का दुरुपयोग कर रही हैं। अगर पुलिस के आरोप को ही सच मान लिया जाए। कि किशोर नाहेल ने ट्रैफिक नियमों का दुरूपयोग किया था तो पुलिस उसे सबक सिखाने के लिए दूसरे संवैधानिक अधिकार का भी प्रयोग किया जा सकता था। किसी की हत्या इसका समाधान नहीं था। देश के ट्रैफिक नियमों के मुताबिक उसकी गिरफ्तारी हो सकती थी। किशोर अधिनियम के तहत उसे जेल भी भेजा जा सकता था। उसे समझाने की कोशिश भी पुलिस कर सकती थी। वाहन चलाने पर प्रतिबंधित किया जा सकता था। लेकिन सिर्फ क्या जान लेना ही किसी कानून का संरक्षण है।

भारत जैसे देश में अगर ऐसे कानून बना दिया जाए तो यहां पांच मिनट भी नहीं टिक सकते हैं। क्योंकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में आम नागरिकों की सुरक्षा कैसे की जाती है यह भारत से बेहतर कोई नहीं जानता। यहां हर नागरिक को संवैधानिक अधिकारों के इतर जाकर उसके व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण किया जाता है। सुसंगत कानून होने के बावजूद भी लोगों को दंड नहीं दिए जाते। यहां की पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को गांधीगिरी के जरिए गुलाब का फूल भेंट करती है। क्योंकि सिर्फ कानून से देश को नहीं चलाया जा सकता है। भारत में बाल एवं किशोर हितों का पूरा ख्याल किया जाता है।

पुलिस के खिलाफ पेरिस के बाहरी हिस्सों हिंसा भड़क गयीं है। सरकार स्थिति नियंत्रित नहीं कर पा रहीं है। सरकार और पुलिस में शीतयुद्ध की स्थित है।लोग सड़क पर उतर कर उग्र और हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। वाहनों को आग के हवाले किया जा रहा है। किशोर की हत्या को लेकर लोगों में बेहद आक्रोश है। मानवाधिकार संगठन इस घटना की कड़ी निंदा कर रहे हैं। हालात को नियंत्रित करना सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है। देश के कई हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

नाहेल की हत्या करने वाले आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को फ्रांस के राष्ट्रपति मैंक्रो ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने पुलिस की तीखी आलोचना की है। वैसे उनके बयान को लेकर पुलिस संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि इससे पुलिस का मनोबल गिरेगा। लेकिन देश में बढ़ती हिंसा को रोकने की पहली प्राथमिकता सरकार की है। आक्रोशित लोग प्रदर्शन के दौरान सरकारी इमारतों, पुलिस स्टेशन, स्कूलों और दूसरे संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस पर आरोप लग रहे हैं कि ट्रैफिक नियमों की जांच के दौरान जानबूझकर निर्दोष किशोर को गोली मारी गई। हालांकि यह जांच विषय है। फ्रांस का गृह मंत्रालय भी पुलिस की करतूत पर बेहद नाराज है। दोषी पुलिस के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की घोषणा किया है।

किशोर की मां मानिया इस घटना से बेहद दुखी है। क्योंकि उसका बेटा नाहेल इकलौती संतान थी। जिसे वह बेहद प्यार करती थी। घटना के दिन मां से लाड प्यार कर वह निकला था, लेकिन एक घंटे बाद गोली का शिकार बन गया। इस घटना से उसकी मां सदमे में है। उसका आरोप है कि पुलिस ने जानबूझकर उसके बेटे की हत्या की।

फ्रांस सरकार ने 2017 में गोली मारने के कानून में ढील देने का फैसला किया था। अब इस तरह का लचीला कानून उसी लिए भारी पड़ रहा है। जबकि उसी दौरान मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से इस कानून को वापस लेने का दबाव बनाया था। फ्रांस की मीडिया के मुताबिक जबसे इस कानून में संशोधन हुआ है इस तरह की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक 13 लोग शिकार बने है। पुलिस पर यह भी आरोप लग रहे हैं कि गोलियां काले और अरब के मूल लोगों पर चलाई जाती है। जिसकी वजह से निर्दोष किशोर की जान गई है। नाहेल का संबंध भी फ्रांसीसी-अल्जीरिया मूल से बताया गया है।

फ्रांस सरकार को इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। ट्रैफिक नियमों में तत्काल सुधार किया जाना चाहिए। वाहनों की चेकिंग के लिए गोली चलाने पर प्रतिबंध लगना चाहिए। फ्रांस के आम नागरिक अधिकारों का खुली तरह संरक्षण होना चाहिए। दुनिया भर में लोकतांत्रिक देश में हरहाल में मानवीय अधिकारों का संरक्षण होना चाहिए और ऐसे निर्मम कानून पर रोक लगनी चाहिए दोषी पुलिसकर्मी को निर्दोष किशोर की हत्या के लिए कठोर दंड दिया जाना चाहिए। हम सिर्फ कठोर कानून से लोकतांत्रिक व्यवस्था का संचालन नहीं कर सकते। लोगों के आम अधिकारों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता और दायित्व है।

(लेखक- स्वतंत्र पत्रकार)

4 साल में 2 बार उप-मुख्यमंत्री बने अजीत पवार

(लेखक - सनत जैन)

महाराष्ट्र में अजित पवार एक बार फिर भाजपा की गोद में बैठ गए हैं। वह देश के पहले ऐसे उपमुख्यमंत्री होंगे, जो विधानसभा के एक ही कार्यकाल में पहली बार 84 घंटे के लिए उप मुख्यमंत्री बने। उसी कार्यकाल में दूसरी बार पुनः उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब वह कितने घंटे और कितने दिन उप मुख्यमंत्री के पद पर बने रहेंगे, इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। इस बार अजीत पवार 35 राकांपा विधायकों को साथ में लेकर भाजपा की गोद में जाकर बैठ गए हैं। उनके साथ प्रफुल्ल पटेल भी एनसीपी छोड़कर भाजपा में चले गए हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में उत्तराधिकार को लेकर जो लड़ाई कई दशक पहले बाला साहब ठाकरे के परिवार उद्धव और राज ठाकरे में लड़ी गई थी। उसकी पुनरावृत्ति एनसीपी के पवार परिवार में हुई है। शरद पवार ने अपनी बेटी को अपना उत्तराधिकारी बनाया है। यह प्रचारित किया जा रहा है कि अजित दादा पवार अपने चाचा से खफा होकर भाजपा की गोद में मय लाव लश्कर के साथ चले गए हैं। इसमें एक बड़ा पेंच बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में थे। उन्होंने अपनी भोपाल की यात्रा में भ्रष्टाचारियों को जेल भेजने और कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। उसमें सबसे पहला नाम एनसीपी के अजीत पवार का था। अजित दादा पवार और उनके सहयोगियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई का भारी दबाव बना हुआ था। 2024 के पहले लोकसभा चुनाव को देखते हुए महाराष्ट्र में एनसीपी को तोड़ना भाजपा की सबसे बड़ी प्राथमिकता थी। भाजपा इस तोड़-फोड़ में पूरी तरह से सफल हुई है। यह माना जा रहा है कि प्रफुल्ल पटेल को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। महाराष्ट्र की कमान जो अभी मुख्यमंत्री के रूप में एकनाथ शिंदे के पास है। उन्हें भी केंद्र में मंत्री बनाया जाएगा। उनके स्थान पर देवेंद्र फडणवीस को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाकर महाराष्ट्र सरीके के महत्वपूर्ण राज्य की जिम्मेदारी भाजपा अपने ही नेता को देगी। अजित पवार के आ जाने से महा अगाड़ी गठबंधन के प्रमुख दल शिवसेना और राकांपा में भारी टूट-फूट हो जाने के बाद भाजपा का मुकाबला करने की स्थिति में महा अघाड़ी गठबंधन नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर यह आशंका बनी हुई थी कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके 16 विधायकों के ऊपर दल बदल कानून के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। उन्हे मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ सकता है। इसको ध्यान में रखते हुए यह बदलाव भाजपा के लिये सरकार बचाने के लिये महत्वपूर्ण था। 2024 के लोकसभा चुनाव में इसका क्या परिणाम होगा, इसको लेकर तरह-तरह से राजनीतिक कयास और अटकलें लगना शुरू हो गई हैं। विशेष रुप से अजीत पवार एंड कंपनी के ऊपर प्रधानमंत्री ने हाल ही में भोपाल की सभा में बड़े भ्रष्टाचार और घपले के आरोप लगाए थे। उन्हें जेल पहुंचाने की बात प्रधानमंत्री ने कही थी। अब उन्हीं को अपनी पार्टी में लेकर आना और महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री बना देना, लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की छवि को किस तरह से प्रभावित करेगा। राजनीति के महारथियों का मानना है कि अभी महाराष्ट्र की सरकार बचाने में जरूर भाजपा सफल हो गई है। लेकिन लोकसभा और अन्य राज्यों के आसन्न विधानसभा चुनाव में इसका दुष्प्रभाव भाजपा को झेलना पड़ेगा। भाजपा की विश्वसनीयता को लेकर आम जनता के बीच में अ विश्वास बढ़ेगा। विपक्ष पहले से भी यह आरोप लगाता रहा है, कि भाजपा पहले विपक्षी नेताओं पर आरोप लगाती है। ईडी, सीबीआई का भय दिखाती है। आरोपी भ्रष्टाचारी जब भाजपा में आ जाते हैं, तो भाजपा की मशीन में साफ-सुथरे होकर बाहर निकल जाते हैं। विपक्षी दलों के दर्जनों भ्रष्टाचारी नेता भाजपा में शामिल होकर महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं। इससे जनता के बीच में प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जो विश्वास बना हुआ था, वह अविश्वास में बदलने का कारण बनेगा।

बच्चों की काबिलियत पर ध्यान दें अभिभावक

बच्चों के लिए स्कूल में स्पोर्ट्स खेलना जरूरी होता है क्योंकि यह कई तरह से उन्हें फायदा पहुंचाता है।

बच्चे के स्कूल में जरूर होनी चाहिए स्पोर्ट्स फैसलिटी

सिर्फ काम और खेलकूद नहीं, ऐसे तो बच्चा सुस्त बन जाएगा। स्पोर्ट्स से दूर रहने से इंसान फिट नहीं रह पाता है और स्ट्रेस में रहता है और बोरिंग भी बन जाता है। स्पोर्ट्स सिर्फ एंटरटेनमेंट या मजे के लिए ही नहीं होते हैं बल्कि इससे मेंटल और फिजिकल हेल्थ को भी बहुत फायदे मिलते हैं। इसलिए मेंटली और फिजिकली फिट रहने के लिए आपको स्पोर्ट्स को अपनी आदत में शुमार करना चाहिए। अगर आप भी पेरेंट हैं, तो अपने बच्चे को स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने के लिए कहें और स्कूल में भी स्पोट्स पर जोर देने की बात करें।

लीडरशिप स्किल्स आते हैं

स्पोर्ट्स से बच्चे में अपनी टीम का नेतृत्व करने का गुण विकसित होता है। इस प्रक्रिया के दौरान बच्चे में निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। लीडर बनकर बच्चा अपनी टीम के साथ कोऑर्डिनेट करना और सलाह देना और लेना सीखता है। बच्चे को अपनी कमजोरी और ताकत का भी पता चलता है जिससे वो समय के साथ बेहतर होता जाता है।

फिजिकल ग्रोथ होती है

फिजिकल एक्टिविटी और एक्सरसाइज से बच्चे की मांसपेशियों और हड्डियों के विकास को बढ़ावा मिलता है। स्पोर्ट्स खेलने वाले बच्चे अच्छी डाइट भी लेते हैं जिससे उनकी सेहत और एनर्जी लेवल अच्छा रहता है। हेल्दी आदतों से कोशिकाओं और हार्मोस का लेवल भी संतुलित रहता है। अगर बच्चा फिजिकली फिट होगा, तो वो अपनी पढ़ाई पर भी अच्छे से ध्यान दे पाएगा।

अच्छी नींद आती है

खेलकूद के बाद बॉडी धीरे-धीरे नींद लाने वाले हार्मोस को ट्रिगर करता है। ये हार्मोस शरीर को आराम देते हैं जिससे अच्छी नींद आती है। अगर बच्चा ठीक से सोएगा नहीं, तो उसे स्कूल में सुस्ती आएगी और वो पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाएगा। इसलिए बच्चों के लिए स्पोर्ट्स जरूरी हैं।

आत्मविश्वास बढ़ता है

गेम में बच्चे को अपनी ताकत और क्षमता के बारे में पता चलता है। इससे बच्चा खुद को दूसरों से बेहतर और अलग मानता है। अपनी ताकत को जानकर बच्चे का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब टूर्नामेंट में बच्चे की तारीफ की जाती है, तो इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ता है और वो नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर पाता है।

टीम में रह कर काम करना

स्पोर्ट्स से बच्चा अपने साथियों के साथ को-ऑर्डिनेट करना सीखता है। एक टीम में अलग-अलग जेंडर, कास्ट, रंग और धर्म के लोग मिलते हैं। यहां बच्चा हर किसी के साथ काम करना और उसका आदर करना सीखता है। उसे कुछ क्रिएटिव और स्मार्ट स्किल्स भी सीखने को मिलते हैं। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्पोर्ट्स कितना जरूरी है। इसका बच्चों को कई तरह से फायदा मिलता है जैसे कि वो फिजिकली फिट बनते हैं और कई तरह के स्किल्स भी सीखते हैं। अगर स्कूल में स्पोर्ट्स नहीं है तो आप स्कूल के स्टाफ से बात करें या आप बच्चे को स्कूल के बाहर किसी एकेडमी में भी कोई स्पोर्ट्स ज्वॉइन करवा सकते हैं।

बच्चों को घर पर छोड़कर आए एक दंपति ने सामने वालों के घर पहुंचते ही कहा कि बच्चे पढ़ने में बिजी हैं, इसलिए खाने पर हम दोनों ही आ गए। बातों ही बातों में उन वैज्ञानिक पति और लेक्चरर पत्नी ने यह भी कह दिया कि आप लोगों ने तो मामूली सरकारी नौकरी की है इसलिए आप लोगों की बात अलग है। लेकिन हम आज जिस मुकाम पर है, उस हिसाब से हमने अपने बच्चों के लिए भी कुछ बेंच मार्क्स तय किए हैं। ताकि वह हमसे भी ज्यादा ऊंचे ओहदे पर पहुंचे!

केस 2

'अरे साब! क्या बात कर रहे हैं, आप तहसीलदार हैं तो रोहित डिप्टी कलेक्टर बनेगा ही। नाक कटवाएगा क्या पिता की'? उधर, तहसीलदार पिता, अपने चापलूस मित्र की बात पर केवल खिसियानी हंसी हंस रहे थे, वे ये नहीं कह पाए कि उनका बेटा अपनी काबिलियत, अपनी रुचि के हिसाब से जो बनना चाहेगा, वही बनेगा। लेकिन बेटा सहम गया। उसे तो सिर्फ उसके आगे आने वाले समय की चिंता थी।

केस 3

'क्यों रोहन, तुम्हारे पापा शहर के इतने बड़े डॉक्टर हैं, और तुम्हें जरा भी नहीं लगता कि अपने पापा की तरह बनो? उनकी तरह क्या, तुम्हें उनसे चार कदम आगे निकलकर दिखाना होगा न'? तुम्हारे दादा होम्योपैथी के डॉक्टर थे और तुम्हारे पापा ने मेडिसिन में नाम कमाया। जरा मन लगाकर पीएमटी की तैयारी करो। रोहन, जिसे मैथ्स, फिजिक्स जैसे विषयों में दिलचस्पी है, पिता के प्रभाव के आगे कुछ बोल नहीं पा रहा था। हां, मगर चिंता में जरूर पड़ गया कि यदि मैं डॉक्टर नहीं बन पाया तो.?

माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार तो ये अभिभावक बच्चों की काबिलियत पर भी ध्यान नहीं देते। बड़े अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है!

ये किस्सा केवल रोहित या रोहन का नहीं है, बल्कि हमारे समाज के अधिसंख्य बच्चों का है, जिनके माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है! बच्चा ऐसी इच्छाएं सुनकर ही दहशत में आ जाता है। पढ़ाई के बोझ के साथ-साथ मां-बाप का नाम रोशन करने का बोझ उठाए, न ठीक से पढ़ाई कर पाता है, न ही दिमागी सुकून मिल पाता है उसे। पढ़ाई के समय ये तनाव बच्चों के ऊपर जबर्दस्त तरीके से सवार होता है। इस तनाव के शिकार बच्चे का तो? जैसी चिंता पर ज्यादा केंद्रित रहता है। नतीजतन, न पढ़ाई हो पाती है, न आराम और न ही अगला पेपर अच्छा हो पाता है।

रिसर्च में भी खुलासा

अमेरिका के मियामी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1970 के बाद से बच्चों के प्रति जिस प्रकार अभिभावकों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं, उनसे बच्चों में तनाव का आंकड़ा आश्चर्यजनक रूप से बढ़ा है। प्रो.जेफरी पी.बोस्को का कहना है कि यह ग्राफ वर्ष 70 से लेकर 2000 के बीच में करीब 17 प्रतिशत तक बढ़ा, जो रहा है। अभिभावकों में बच्चों को पूरे समय पढ़ाते/पढ़ते देखने की अजीबोगरीब रुचि पैदा हो गई है। अधिकांश अभिभावक स्कूल में भी ये शिकायत करते मिल जाएंगे-क्या करें पढ़ता ही नहीं है, टीवी देखता है। अब यदि बच्चे को हर वक्त पढ़ाई में ही जुटा देखने की चाहत अभिभावक की होगी तो उन्हें क्या लगता है, बच्चे सचमुच पढ़ रहे होंगे? ना, बिल्कुल नहीं। पढ़ाई में मन लगने का भी एक निश्चित है, पढ़िए, जैसे ही मन उचाट हो, किताब बंद कर दीजिए क्योंकि बिना मन के पढ़ाई होगी ही नहीं। मजे की बात, मां-बाप का, बच्चे को खुद से बेहतर बनाने का दवाब अधिकांशत: लड़कों पर ही होता है। इस दवाब की शिकार फिलहाल लड़कियां नहीं हैं। इसके पीछे वही सोच काम कर रही होती है कि लड़की को तो दूसरे के घर जाना है, सो उनका नाम तो लड़के को ही रोशन करना है, तब पूरा ध्यान लड़के पर ही लगाया जाए।

दसवीं का एक बच्चा, जो शाम की क्लास में आता है, उसे मैथ्स नहीं पढ़ना। सबसे कम नंबर उसके मैथ्स में ही आते हैं जबकि दूसरे माता-पिता उसे बहुत बड़ा इंजीनियर बनाना चाहते हैं और बच्चा अभी से तनाव में है कि यदि उसे किसी भी प्रकार से मैथ्स दिला दी गई, तो वह कैसे पढ़ेगा?

बच्चों की मानसिकता समझें

पिछले दिनों अखबारों में कई समाचार आए बच्चों द्वारा आत्महत्या किए जाने के। सामान्य तौर पर हमारी प्रतिक्रिया होती है-'अरे! पेपर अच्छा नहीं हुआ था तो उसमें मरने की क्या बात? लेकिन ये हम या आप कह रहे होते हैं न? उस बच्चे पर इस इम्तिहान को लेकर, संबंधित विषय को लेकर घर वालों का कितना दबाव रहा होगा, ये उसकी आत्महत्या से हम समझ सकते हैं। मरना बहुत आसान नहीं होता। एक बच्ची ने आत्महत्या के अपने नोट में लिखा- मेरी अंग्रेजी बहुत कमजोर है। मैं इस विषय में पास नहीं हो पाऊंगी। सोचिए उस बच्ची पर अंग्रेजी का कैसा दवाब रहा होगा? तो माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों की रुचियों का ध्यान रखें और उन्हें अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने को न केवल प्रोत्साहित करें, बल्कि मौके भी तलाशें। आज चुनिंदा विषय नहीं रह गए हैं पढ़ने को, न ही चुनिंदा राहें। हर विषय के बच्चों के लिए काम के पर्याप्त मौके हैं। बच्चों को उनके अपने सपने पूरे करने दें, उनमें अपना सपना साकार न करें। हमारी ये सोच शायद उन्हें तनावमुक्त कर सकें।

अपनी स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से बेसन में मिलाकर लगाएं ये चीजें

मौसम भले कोई भी हो स्किन से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। मगर अक्सर लड़कियां स्किन प्रॉब्लम्स के हिसाब से सही चीजें नहीं चुनती है। इसके कारण समस्या वहीं की वहीं रहती है। वैसे तो स्किन संबंधी समस्याओं से आराम पाने के लिए बेसन का इस्तेमाल करना बेस्ट माना गया है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे बताते हैं कि जिसे आप बेसन में मिलाकर लगाने से फायदा मिलेगा। जानते हैं उन होममेड फेसपैक के बारे में...

ऑयली स्किन के लिए बेसन और टमाटर फेसपैक

ऑयली स्किन टाइप वाली लड़कियों को बेसन और टमाटर का फेसपैक लगाना चाहिए। यह चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल साफ करके त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है। इससे चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, सनटैन की समस्या दूर होने में मदद मिलती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए 1 टमाटर को ब्लेंड करके पेस्ट बनाएं। फिर इसमें जरूरत अनुसार बेसन, कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट या सूखने के बाद फेसपैक को हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए उतारे। बाद में ताजे पानी से मुंह धो लें।

दाग-धब्बे हटाने के लिए बेसन और हल्दी फेसपैक

अगर आप चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे, कील-मुंहासे आदि से परेशान है तो बेसन में हल्दी मिलाकर लगाएं। इससे स्किन संबंधी समस्याएं दूर होकर चेहरा साफ, निखरा, मुलायम व जवां नजर आएगा। साथ ही त्वचा की रंगत निखरेगी।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन, चुटकीभर हल्दी और जरूरत अनुसार गुलाब जल या पानी मिलाएं। अब इसे चेहरे व गर्दन पर 10-15 मिनट तक लगाएं। बाद में इसे पानी से साफ करके मॉश्चराइजर लगा लें।

झुर्रियां दूर करने के लिए बेसन और दही फेसपैक

झुर्रियों को कम करने के लिए दही और बेसन का फेसपैक बेस्ट माना जाता है। यह ढीली पड़ी स्किन को टाइट करने उसे ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह त्वचा को नमी देकर बुढ़ापे के लक्षण करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार दही मिलाएं। इसे हल्के हाथों से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20-30 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

ग्लोइंग स्किन के लिए बेसन और शहद फेसपैक

सनटैन से खराब हुई स्किन पर निखार वापस लाने के लिए आप बेसन और शहद का फेसपैक लगा सकती है। बेसन स्क्रब की तरह काम करके डेड स्किन सेल्स को साफ करता है। वहीं शहद क्लींजिंग एजेंट की तरह काम करके ग्लो लाने में मजज करता है। इसके साथ ही त्वचा में होने वाली जलन, खुजली व रूखापन दूर होगा।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार शहद मिलाएं। इसे चेहरे व गर्दन पर स्क्रब करते हुए लगाएं। 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में इसे पानी से साफ कर लें।

मानसून में बनाएं कॉर्न चाट

मानसून में गर्मा-गर्म भुट्टा तो आपने बहुत खाएं होंगे। मगर आज हम आपके लिए खास स्वीट कॉर्न चाय रेसिपी लेकर आए है। इसे आप अपनी मनपसंद सब्जियों से बना सकती है। वहीं स्वीट कॉर्न पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सडीटेंस गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में इसका सेवन करने से टेस्ट के साथ सेहत भी बरकरार रहेगी। जानते हैं इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

फोजन कॉर्न (उबले)- 900 ग्राम, मिर्च पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच, भुना जीरा पाउडर - 2 छोटे चम्मच
नमक- आवश्यकता अनुसार, शिमला मिर्च - 2
नींबू का रस -2 बड़े चम्मच, धनिया - 2 बड़े चम्मच
काली मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच
काला नमक - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 कप
प्याज - 1, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में सभी मसाले मिलाएं।
- अलग बाउल में सब्जियां काट कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके मीडियम आंच पर कॉर्न फ्राई करें।
- अब कॉर्न को सब्जियों में मिलाएं।
- इसमें मसाला, नींबू का रस मिलाएं।
- चाट को सर्विंग प्लेट में निकाल कर धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

बच्चों के लिए बनाएं क्रिस्पी चीजी रैप

चीज से आपने बर्गर, पिज्जा तो बहुत खाया होगा। वहीं बच्चों को तो चीज बेहद ही पसंद होता है। चीज प्रोटीन से भरपूर होता है। यह खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। ऐसे में हम आपके लिए खास चीजी रैप की रेसिपी लेकर आए है।

सामग्री

उबले मैश्ड आलू- 1,1/2, प्याज- 1 (बारीक कटा)
शिमला मिर्च-1 (बारीक कटी),
चिली फ्लेक्स- 1 छोटा चम्मच,
ऑरिगेनो- 1/2 छोटा चम्मच, ब्रेड स्लाइस- 4,
चीज- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
नमक- स्वाद अनुसार, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में आलू, प्याज, शिमला मिर्च, चिली फ्लेक्स, ऑरिगेनो, नमक और चीज डालकर मिलाएं।
- ब्रेड या रोटी को हल्के से दबाकर स्टफिंग भरें।
- ब्रेड पर तेल लगाकर फोल्ड करें।
- पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रैप तल लें।
- इसे सर्विंग प्लेट में निकाल कर टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

हैल्थ कॉन्शियस है तो खाएं गुजराती खांडवी

बेसन खांडवी गुजरात की फेमस डिशेज में से एक है। यह खाने में टेस्टी और हल्की होती है। इसे खाने से पेट हैल्दी रहता है। मगर अक्सर लोग इसे बनाने में कंफूजर रहते हैं। आप इसे विकेंड में बनाकर खा सकते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए खास गुजराती खांडवी की रेसिपी लेकर आए है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

बेसन- 1 कप
अदरक-हरी मिर्च पेस्ट - 1 बड़ा चम्मच
हल्दी पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
छाछ- 3 कप
हींग- चुटकीभर
राई- 1/2 छोटा चम्मच
नींबू का रस - 1 बड़ा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- आवश्यकता अनुसार
नारियल- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
धनिया- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- एक बाउल में बेसन, नमक, हल्दी, नींबू का रस, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और छाछ मिलाएं।
- इसे पैन में डालकर लगातार चलाते हुए पकाएं।
- मिश्रण को गाढ़ा घोल होने तक पकाएं।
- अब प्लेट के पिछले हिस्से पर तेल लगाकर मिश्रण पतला सा मिश्रण फैलाएं।
- मिश्रण के ठंडा होने पर इसे दो इंच चौड़ी स्ट्रिप्स में काटकर रोल करें।
- अब अलग पैन में तेल गर्म करके हींग और राई भूनें।
- प्लेट में खांडवी रखकर ऊपर से हींग और राई का तड़का डालें।
- नारियल और धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 65 हजार और निफ्टी 19 हजार के ऊपर निकला

मुम्बई । शेयर बाजार सोमवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से बाजार में ये बढ़त आई है। इससे बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 297.94 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 486.49 अंक करीब 0.75 फीसदी बढ़कर 65,205.05 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 65,300.35 की ऊंचाई तक गया और इसके बाद 64,836.16 तक फिसला। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 140.75 अंक तकरीबन 0.73 फीसदी बढ़ा। निफ्टी दिन के अंत में 19,329.80 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर जाकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,345.10 की उंचाई तक पहुंचने के बाद 19,234.40 तक फिसला। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 15 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। रिलायंस, आईटीसी, बजाज फाइनैंस, एसबीआई और एचडीएफसी सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयरों में रहे। वहीं सबसे ज्यादा लाभ रिलायंस के शेयरों को हुआ और ये करीब 2.53 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से बचे हुए 15 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सन फार्मा, पावर ग्रिड, मारुति, लार्सन एंड टूब्रो और टीसीएस सेंसेक्स के सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयरों में रहे। सन फार्मा के शेयर सबसे अधिक 1.86 फीसदी तक गिरे। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे जबकि अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार उम्मीद के मुताबिक तेजी के साथ खुले। लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बीएसई सेंसेक्स 300 अंक बढ़कर 65,017 की नए सार्वजेनिक स्तर पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 80 अंक उछलकर 19,278 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।

जून में विनिर्माण गतिविधियां में आई नरमी: पीएमआई

नई दिल्ली । देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां पिछले महीने जून के महीने में नरम रहीं। हालांकि अनुकूल मांग के बीच नये ऑर्डर में उल्लेखनीय तेजी के साथ उत्पादन के स्तर पर वृद्धि बरकरार है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया का विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) घटकर जून महीने में 57.8 रहा जो मई महीने में 58.7 था। इससे पिछले महीने मई में यह 31 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। सर्वे में कहा गया है कि विनिर्माण गतिविधियों में नरमी के बावजूद आंकड़ा परिचालन स्थिति में सुधार को बताता है। मजबूत मांग ने बिक्री, उत्पादन, भंडार निर्माण और रोजगार जैसे अन्य क्षेत्रों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। जून का पीएमआई आंकड़ा लगातार 24वें महीने समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार को बताता है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब विस्तार होता है, जबकि 50 से नीचे का स्तर संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की एसोसिएट निदेशक पोलियाना डी लीमा ने कहा` कि जून के जो पीएमआई आंकड़े हैं, वह फिर से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत में विनिर्मित उत्पादों की मजबूत मांग को बताते हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहकों में सकारात्मक रूचि के साथ विनिर्माण उद्योग को समर्थन मिलता रहा। इससे उत्पादन, रोजगार, खरीद की मात्रा और कच्चे माल भंडार में वृद्धि हुई।

टाटा मोटर्स के यात्री वाहन 17 से होंगे महंगे

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स ने कहा है कि वह 17 जुलाई से यात्री वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी। यह वृद्धि कंपनी के सभी मॉडल और संस्करणों पर लागू होगी। टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि कंपनी अपने यात्री वाहनों के दाम औसतन 0.6 प्रतिशत बढ़ाएगी। यह वृद्धि इलेक्ट्रिक वाहन समेत सभी मॉडल और संस्करणों पर लागू होगी। बयान के अनुसार कीमत में वृद्धि कच्चे माल की लागत में वृद्धि के प्रभाव से निपटने के लिए की जा रही है। कंपनी ने कहा कि 16 जुलाई, 2023 तक होने वाले वाहनों की बुकिंग और 31 जुलाई, 2023 तक होने वाली डिलिवरी पर कीमत वृद्धि का प्रभाव नहीं होगा।

एफपीआई का जून में निवेश 10 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में भारतीय इक्विटी में 47,148 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह राशि पिछले 10 महीने में सबसे ज्यादा है। एक वित्तीय परामर्श कंपनी ने हालांकि कहा कि जुलाई में निवेश कम हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की हालिया टिप्पणियों से एफपीआई सतर्क रुख अपना सकते हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफपीआई आगे चलकर थोड़ा सतर्क हो सकते हैं, क्योंकि देश में मूल्यांकन अल्पकालिक नजरिए से थोड़ा अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक जून में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 47,148 करोड़ रुपए का निवेश किया। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि इक्विटी में एफपीआई निवेश मई में 43,838 करोड़ रुपए, अप्रैल में 11,631 करोड़ रुपए और मार्च में 7,936 करोड़ रुपए था। इससे पहले एफपीआई ने जनवरी और फरवरी में इक्विटी से शुद्ध रूप से 34,000 करोड़ रुपए निकाले थे।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 16 पैसे की बढ़त के साथ ही 81.94 पर बंद हुआ। एशियाई और घरेलू बाजार में तेजी की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया शुरूआती कारोबार में 33 पैसे उछलकर 81.77 प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह जारी रहने और घरेलू शेयर बाजार में मजबूत रुख से भी रुपए को बल मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले घरेलू रुपया 82.01 पर खुला और बाद में ये 81.77 तक पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 33 पैसे की तेजी है। शुक्रवार को रुपया 82.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

ताइवान की प्रमुख कंपनियां अपने उत्पाद भारत लाने की कर रही तैयारी

ताइपे । चीन के साथ ताइवान के बढ़ते तनाव के बीच इस स्वशासित द्वीप के शीर्ष नीति निर्माताओं ने कहा है कि प्रमुख ताइवानी प्रौद्योगिकी कंपनियां अपना जोखिम कम करने के लिए अपने विनिर्माण केंद्रों को भारत में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही हैं। ताइवान के राष्ट्रीय विकास उप मंत्री काओ शिएन-क्यू का कहना है कि सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के विनिर्माण सहित उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में नई दिल्ली और ताइपे के बीच सहयोग की बहुत अधिक गुंजाइश है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के एक समूह के साथ बातचीत में कहा कि ताइवान की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियां अपनी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए भारत को एक प्रमुख गंतव्य के रूप में देख रही हैं। बीजिंग के साथ वाशिंगटन के व्यापार विवाद और ताइवान के आसपास चीनी सेना की बढ़ती मौजूदगी के कारण प्रमुख ताइवानी कंपनियां अपने उत्पादन केंद्रों को चीन से यूरोप, अमेरिका और भारत जैसे देशों में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े चिप विनिर्माता ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (टीएसएमसी) सहित प्रमुख ताइवानी चिप उत्पादकों की अपने यहां लाने का इच्छुक है। टीएसएमसी के ग्राहकों में एप्पल भी शामिल है। शिएन-क्यू का कहना है कि सेमीकंडक्टर और सूचना तथा संचार उद्योग के क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। जानकारी के मुताबिक बड़ी संख्या में ताइवानी कंपनियां भारत में दो औद्योगिक पार्कों में उत्पादन केंद्र स्थापित करने जा रही हैं। इन पार्कों को विशेष रूप से ताइवानी कंपनियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

भ्रामक जानकारी देने वाले फिनफ्लूएंसर्स पर सेबी करेगा कार्रवाई

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ सालों में सोशल मीडिया का क्रेज काफी तेजी से बढ़ा है। लेकिन लोग भ्रामक जानकारी के शिकार भी हो रहे हैं। सेबी ने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है। यहां पर लोग ब्यूटी, स्टडी से लेकर फाइनेंशियल टिप्स लेने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने लगे हैं। सोशल मीडिया पर पॉपुलर हो चुके लोगों को फिनफ्लूएंसर्स कहा जाता है। फिनफ्लूएंसर्स उन लोगों को कहा जाता है जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जाकर लोगों को शेयरों में निवेश, बजट बनाने, प्रॉपर्टी खरीदाना, क्रिप्टोकरेंसी और फाइनेंशियल ट्रेंड आदि के बारे में सलाह देते और अपना निजी अनुभव शेयर करते हैं। हालों कि कोरोना के बाद देश में तेजी के फिनफ्लूएंसर्स की संख्या में इजाफा हुआ है और इनके फॉलोवर्स की संख्या लाखों में हैं। फिनफ्लूएंसर्स अपने फॉलोवर्स को शेयरों को खरीदने से लेकर क्रिप्टोकरेंसी में निवेश की सलाह देते हैं, लेकिन इस बात की कोई जानकारी नहीं होती है कि क्या इनके बात ऐसी जानकारी देने के लिए कोई विषेशज्ञता है या नहीं। यही वजह है कि सेबी की इन फिनफ्लूएंसर्स पर पूरी नजर है और इन कंटेंट क्रिएटर्स के लिए गाइडलाइन बनाने को लेकर भी कार्य कर रहा है। हाल ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से कहा गया था कि लोगों को फिनफ्लूएंसर्स की किसी भी सलाह को मानने से पहले उसको अच्छे से जांच परख लेना चाहिए। इस साल फरवरी में एडवरटाइजिंग सटैंडर्ड काउसिंल ऑफ इंडिया की ओर से सोशल मीडिया के लिए एडवरटाइजिंग गाइडलाइन्स जारी की गई थी। ये वर्चअल डिजिटल एसेट्स जैसे क्रिप्टोकरेंसी, एनएफटी आदि को लेकर थी।

जैक मा गुपचुप तरीके से पहुंचे थे पाकिस्तान, चीनी दूतावास को भी नहीं पता

- दौरे की वजह क्या थी, अभी तक कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई

नई दिल्ली ।

चीनी नागरिक व मल्टीनेशनल कंपनी अलीबाबा के संस्थापक जैक मा पिछले महीने गुपचुप तरीके से पाकिस्तान पहुंचे थे। उनके इस दौरे की जानकारी पाकिस्तान में चीनी दूतावास को भी नहीं थी। वह 6 अन्य लोगों के दल के साथ पाकिस्तान पहुंचे थे। कुल 7 में से 6 चीनी व 1 अमेरिकी नागरिक था। बताया जा रहा है` कि जैक मा 29 जून को पाकिस्तान के लाहौर पहुंचे और 23 घंटे तक वहां रुके। हालांकि, इस दौरे की वजह क्या थी इसके बारे में अभी तक कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है। आपको बता दें कि जैक मा केवल अलीबाबा समूह के ही सह-संस्थापक नहीं हैं, बल्कि उन्होंने निवेश व फंड मैनेजमेंट कंपनियों की भी संस्थापना की है। वह युनफेंग कैपिटल के संस्थापक हैं। वह चीन के बड़े परोपकारी कारोबारियों में भी गिने जाते हैं। संभव है कि निवेश संबंधी कार्यों को लेकर ही वह पाकिस्तान पहुंचे हों।जैक मा ने हाल ही में नेपाल का भी दौरा किया था। वह पिछले सप्ताह नेपाल पहुंचे थे। वह काठमांडू गए थे जहां उन्होंने प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड से मुलाकात की थी। यहां उन्होंने थमेल, भक्तपुर, दरबार स्क्वायर और कालीमाटी सब्जी बाजार जैसी जगहें घूमी। जानकारों का मानना है कि जैक मा के नेपाल में बिजनेस कनेक्शन हैं। जैक मा के नेपाल दौरे की वजह भी साफ नहीं है। हालांकि, उन्होंने दराज नाम की एक कंपनी का अधिग्रहण किया है

जो दक्षिण एशियाई देशों में कारोबार करती है। दराज का बिजनेस पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, नेपाल और श्रीलंका है। संभव है कि जैक मा इसी सिलसिल में नेपाल और पाकिस्तान दोनों देशों के दौरे पर पहुंचे हों।

टीवीएस मोटर की बिक्री जून में बढ़कर 3,16,411 इकाई पहुंची

नई दिल्ली । टीवीएस मोटर कंपनी की जून में कुल बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 3,16,411 इकाई रही। टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने पिछले साल जून महीने में 3,08,501 इकाइयां बेची थी। कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने चार प्रतिशत बढ़कर 3,04,401 इकाई रही जो एक साल पहले जून महीने में 2,93,715 थी। घरेलू दो पहिया वाहनों की बिक्री इस साल जून में 22 प्रतिशत बढ़कर 2,35,833 इकाई रही जो एक साल पहले इसी महीने में 1,93,090 इकाई थी। मोटरसाइकिल की बिक्री आलोच्य महीने में दो प्रतिशत बढ़कर 1,48,208 इकाई रही जो पिछले साल जून महीने में 1,46,075 इकाई थी। स्कूटर की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 1,21,364 इकाई रही जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,09,878 इकाई थी। बयान के अनुसार इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक की बिक्री जून 2023 में 14,462 इकाई रही जो एक साल पहले इसी महीने में 4,667 इकाई थी। हालांकि तिपहिया वाहनों की बिक्री इस साल जून में घटकर 12,010 इकाई रही जो एक साल पहले इसी महीने में 14,786 इकाई थी।

कार्बन क्रेडिट में कारोबार की संभावनाएं तलाश रहे बड़े एक्सचेंज

मुंबई।

कुछ बड़े एक्सचेंज कार्बन क्रेडिट में कारोबार की संभावनाएं तलाश रहे हैं। जब से सरकार ने देश में कार्बन क्रेडिट के विनियमित बाजार की शुरुआती व्यवस्था तय की है तभी से ये एक्सचेंज हरकत में आ गए हैं।मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि कृषि जिंसों के सबसे अग्रणी एक्सचेंज एनसीडीईएक्स ने कार्बन क्रेडिट के वायदा कारोबार के लिए बातचीत शुरू की है। एक्सचेंज इसके वायदा कारोबार के विभिन्न पहलू समझने के लिए अध्ययन भी शुरू कराना चाहता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) भी स्वैच्छिक कार्बन क्रेडिट बाजार में संभावनाएं ढूंढ रहा है। एनएसई के मुख्य कारोबार विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन का कहना है` कि उत्पादों की संख्या बढ़ाने के लिए एक्सचेंज बिजली के डेरिवेटिव्स भी देख रहा है। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज

(आईईएक्स) ने भी स्वैच्छिक कार्बन बाजार में कारोबार की संभावनाएं तलाशने की घोषणा की है। एक्सचेंज ने इसके लिए पूर्ण स्वामित्व वाली खास सहायक कंपनी भी बनाई है। पहले हमें देखना होगा कि सत्यापित कार्बन क्रेडिट के लिए ऐसा बाजार किस तरह बनाया जाए, जिसमें इनकी वाजिब कीमत मिले। आपको उनसे कमाई करनी होगी और आगे चलकर स्वस्थ बाजार भी तैयार करना होगा क्योंकि भारत हर साल कार्बन क्रेडिट तैयार कर रहा है। इनकी मात्रा का पता लगाना मुश्किल है मगर इनकी कीमत करीब 15 करोड़ डॉलर है।

भारत में 11 लाख ट्विटर अकाउंट पर लगी थी रोक

नई दिल्ली ।

ट्विटर ने प्लेटफॉर्म पर हो रही कुछ गलत चीजों को रोकने के लिए 26 मार्च से 25 अप्रैल के बीच भारत में चल रहे 11 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को ब्लॉक किया` था। ट्विटर ने बाल यौन शोषण और नॉन कंसेंसुअल न्यूडिटीजैसी चीजों को बढ़ावा देने वाले 11 लाख 32 हजार 228 ट्विटर अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाया था। इतना ही नहीं ट्विटर ने 1 हजार 843 ऐसे ट्विटर अकाउंट्स पर भी ताला लगा दिया जो आतंकवाद को बढ़ावा देने का काम कर रहे थे। ट्विटर ने नए आईटी नियम 2021 के कंप्लायंस से जुड़ी अपनी मंथली रिपोर्ट को जारी करते हुए बताया कि कंपनी को ग्रिविएंस रिड्रेसल मैकेनिज्म के जरिए भारत में यूजर्स से 518 शिकायतें मिली थी। इस रिपोर्ट में ट्विटर ने बताया है कि शिकायतों की बारीकी से जांच के बाद 25 अकाउंट्स के सस्पेंशन को रोक दिया लेकिन अन्य अकाउंट्स पर प्रतिबंध को कायम रखा है। ट्विटर को भारत में रहने वाले ट्विटर यूजर्स से दुर्व्यवहार, उत्पीड़न (264), हेटफुल कंडक्ट (84), एडल्ट कंटेंट (67) और मानहानि (51) से जुड़ी सबसे ज्यादा शिकायतें मिली हैं। इससे पहले भी ट्विटर ने 26 मार्च से 25 अप्रैल के बीच 25 लाख 51 हजार 623 इंडियन अकाउंट्स को प्रतिबंध लगाया था।

बिना डेबिट कार्ड अब एटीएम से निकाल सकते हैं पैसे

नई दिल्ली ।

अब एटीएम से पैसा निकालने के लिए डेबिट अथवा एटीएम कार्ड की जरूरत खत्म हो गई है। पब्लिक सेक्टर के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने रविवार को अपने डिजिटल बैंकिंग एप्लिकेशन योनो को रिवैम्पड किया और इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विड्रॉल यानी आईसीसीडब्ल्यू सुविधाएं भी लॉन्च कीं। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने एक बयान में कहा` कि एसबीआई अत्याधुनिक डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने के लिए समर्पित है जो प्रत्येक भारतीय को वित्तीय स्वतंत्रता और सुविधा के साथ सशक्त बनाता है। हमारे ग्राहकों की निर्बाध और सुखद डिजिटल अनुभव की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए योनो ऐप को नया रूप दिया गया है। खारा का मानना है कि इससे एसबीआई के हर भारतीय के लिए योनो मिशन को वास्तविकता बनाने का लक्ष्य पूरा होगा। इनहैंस्ड योनो ऐप के माध्यम से किसी भी बैंक ग्राहक को अब योनो के नए अवतार में स्कैन और पे, पे बाय कॉन्टैक्ट और रिक्वेस्ट मनी जैसी यूपीआई सुविधाओं तक एक्सेस प्राप्त होगी।इसके अलावा इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विड्रॉल सुविधा के तहत एसबीआई और अन्य बैंकों के ग्राहक यूपीआई क्यूआर कैश फंक्शनैलिटी का उपयोग करके किसी भी बैंक के आईसीसीडब्ल्यू सुविधा से लैस एटीएम से कैश निकाल सकते हैं।

सरकार की बिना बैटरी के ईवी बेचने की योजना, हो सकते हैं सस्ते

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग ऐसी नीति पर काम कर रही है, जिसमें वाहन बिना बैटरी के बेचे जा सकेंगे और ग्राहक बाद में उनमें बैटरी लगा सकेंगे। साथ ही बैटरी चार्ज करने के बजाय खाली बैटरी देकर चार्ज की हुई बैटरी भी ले सकेंगे। सूत्रों के मुतो बिक बैटरी की अदला-बदली के लिए पूरे देश में ढांचा तैयार करने पर भी विचार किया जा रहा है। 2024 में फेम 2 सब्सिडी खत्म हो जाएगी। ऐसे में इस कदम से लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन सस्ते हो सकते हैं। उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि इससे ईवी के इस्तेमाल को भी बढ़ावा मिलेगा। कुछ लोगों का कहना है कि 2025 तक भारत में बैटरी रहित ईवी की बिक्री शुरु होने और बैटरी की अदला-बदली (स्वैपिंग) के लिए ढांचे पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार हो जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहन की कीमत का 40-50 प्रतिशत हिस्सा बैटरी का ही होता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि पिछले एक साल से इस विषय पर बैठक हो रही हैं। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल ईवी में उपयोग होने वाली बैटरी के लिए मानक तैयार करने पर काम चल रहा है। नाम नहीं छापने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि संबंधित पक्षों की एक बैठक जनवरी और मार्च के दरम्यान हुई थी। नीति आयोग ने बैटरी स्वैपिंग नीति का मसौदा पिछले साल ही सौंप दिया था। अब बैटरी के लिए मानक तैयार करने का काम चल रहा है। यह काम उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधीन भारतीय मानक ब्यूरो की देखरेख में होगा।

उन्होंने कहा कि मानक तैयार होने के बाद संबंधित पक्षों की और बैठकें होंगी। ईवी उद्योग भी बदलाव के लिए खुद को तैयार कर रहा है।

भारत / पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर सौरव गांगुली ने दिया हैरान करने वाला बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आईसीसी विश्व कप 2023 की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। विश्व कप की शुरुआत 5 अक्टूबर से न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच होने वाले मुकाबले से होगी। इस मुकाबले के महज 10 दिन बाद ही ऐसा मुकाबला होगा जिसका हर क्रिकेट प्रेमी को होता है।

यानी 15 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होने वाला है, जो बेहद हाईवोल्टेज मैच होगा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले के आयोजन का दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों के अलावा पूरी दुनिया करती है। इस मुकाबले के संबंध में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने ऐसा बयान दिया है जो बेहद चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले काफी अहम होते हैं। दोनों चिर प्रतिद्वंदी है, जिनके बीच कड़े मुकाबले देखने को मिलते है। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए अधिकतर मुकाबलों में भारत ने जीत हासिल की है। वहीं दोनों ही देशों के बीच होने वाले मुकाबलों को लेकर दोनों देशों के फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिलता है।

क्वालिटी क्रिकेट से हुआ प्रभावित

सौरव गांगुली ने कहा कि दोनों ही देशों के बीच अब क्रिकेट के खेल के स्तर में काफी बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच क्वालिटी क्रिकेट की कमी देखने को मिली है जिस कारण मुकाबले काफी प्रभावित हुए है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान की अपेक्षा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबले अधिक अच्छे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत ने टी20 विश्व कप के दौरान अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था हालांकि एकदिवसीय विश्व कप में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

बीसीसीआई को किया आगाह

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने एकदिवसीय विश्व कप 2023 के लिए बीसीसीआई और टीम मैनेजमेंट को भी आगाह किया है। उन्होंने कहा कि अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल पर नजर रखनी चाहिए। चहल ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में आयोजित हुए टी20 विश्वकप में हिस्सा लिया था। हालांकि इस दौरान वो किसी भी मैच में खेल नहीं सके थे। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम इंग्लैंड से हारने के बाद बाहर हो गई थी।

एमसीसी ने ख्वाजा और वॉर्नर से बदसलूकी करने वाले तीन सदस्यों को निलंबित किया

लंदन (एजेंसी)। एशेज टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो के रन आउट होने बचे बवाल के कारण मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमएसीसी) की जमकर किरकिरी हुई है। बेयरस्टो को आउट दिये जाने से गुस्साये मेजबान टीम के प्रशंसकों और दर्शकों ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को बेईमानी तक कह दिया। इसके साथ ही जब लंच के खिलाड़ी पवेलियन जा रहे थे तब भी दर्शक उन्हें 'धोखेबाज, धोखेबाज' कह रहे थे। यहां तक कि ड्रेसिंग रूम की ओर जाते समय 'लॉन्ग रूम' में एमसीसी के सदस्यों ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा के साथ बदसलूकी भी की जिसके लिए एमसीसी ने कड़ी कार्रवाई करते हुए आस्ट्रेलियाई टीम से माफी मांगते हुए अपने तीन सदस्यों को निलंबित तक कर दिया है।

एमसीसी ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को गालियां देने वाले और हाथापाई करने वालों की जांच भी की जाएगी। इस मैच में विवाद तब शुरु हुआ जब बेयरस्टो ने कैमरून ग्रीन की बाउंसर गेंद को छोड़ दिया। वह इसके बाद गेंद के 'डेड' होने से पहले ही क्रीज से निकल कर दूसरे छोर पर खड़े अपने साथी के पास जाने लगे। वहीं इसी बीच विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने गेंद को स्टंप पर मार दिया।

इससे बेयरस्टो हैरान रह गए। इस पर तीसरे अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद उन्हें स्टंप आउट करार दिया। बेयरस्टो हताश होकर पवेलियन की ओर चल दिए। स्टोक्स ने इस फैसले के खिलाफ मैदानी अंपायरों के सामने ही अपनी नाराजगी जाहिर कर दी। इस बीच लॉर्ड्स में मौजूद दर्शक ऑस्ट्रेलियाई टीम को धोखेबाज धोखेबाज कहने लगे।

इस समय इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 193 रन था। टीम को जीत के लिए और 178 रन चाहिए थे। इसके बाद स्टोक्स ने ग्रीन की गेंद पर तीन चौके लगा दिये। उन्होंने स्टुअर्ट ब्रॉड 11 के साथ सातवें विकेट के लिए 108 रन की साझेदारी कर जीत की उम्मीद जगाई पर उनके आउट होने के बाद एक बार फिर मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी हो गयी।

विश्व कप की मेजबानी हासिल नहीं कर पाने वाले स्थलों को द्विपक्षीय मुकाबले देगी बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। देश में कई मैच स्थलों को एकदिवसीय विश्वकप की मेजबानी नहीं मिलने के कारण वहां के खेल संघ नाराज है। इसी को देखते हुए अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इन राज्य संघों को द्विपक्षीय घरेलू सत्र में मेजबानी का अवसर देना चाहता है। इसी को देखते हुए बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि विश्व कप मुकाबलों की मेजबानी करने वाले स्थलों को घरेलू सत्र के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की अपनी मेजबानी का अवसर छोड़ देना चाहिये जिससे कि उन राज्य संघों के मैच स्थलों को मेजबानी का अवसर मिल सके जिन्हें विश्वकप के लिए मेजबानी का अवसर नहीं मिला।

वहीं राज्य संघों को लिखे पत्र में शाह ने कहा है कि उनके प्रस्ताव को विश्व कप की मेजबानी करने वाले स्थलों के अधिकारियों ने मान लिया है। इसमें दिल्ली, धर्मशाला, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद, बेंगलुरू और लखनऊ शामिल हैं। वहीं विश्व कप के दौरान सिर्फ अभ्यास मैचों की मेजबानी करने वाले गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम को भी आगामी सत्र में द्विपक्षीय मैचों की मेजबानी का मौका मिलेगा। शाह ने विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा से पहले राज्य संघों के प्रमुखों से मुलाकात भी की थी। शाह ने कहा, 'हमारी बैठक के दौरान मैंने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के मैचों का सही वितरण तय करने के लिए एक समाधान का प्रस्ताव रखा था। मैंने अभ्यास मैचों की मेजबानी करने वाले असम और केरल को छोड़कर अन्य मेजबान संघों से द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी की अपनी बारी स्वैच्छिक रूप से छोड़ने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, 'यह प्रस्ताव उन राज्य संघों को समायोजित करने के लिए रखा गया था जो किसी कारणवश विश्व कप के मैचों की मेजबानी हासिल नहीं कर पाये। शाह ने कहा, 'यह खुशी की बात है कि इस प्रस्ताव को बैठक में भाग लेने वाले सभी संघों ने स्वीकार कर लिया है।

स्टोक्स के तूफानी शतक के बाद भी एशेज के दूसरे टेस्ट में हारी इंग्लैंड

बेयरस्टो के रन आउट होने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम पर भड़के प्रशंसक

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में इंग्लैंड की टीम जीत के लिए मिले 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 327 रनों पर आउट हो गयी। इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स ने अंतिम क्षणों तक संघर्ष करते हुए 155 रनों की आक्रामक पारी खेली पर किसी अन्य खिलाड़ी का साथ नहीं मिले से वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 43 रनों से मैच जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिली कर ली है। खेल का आकर्षण स्टोक्स की पारी रही जिसमें उन्होंने नौ चौके और इतने ही छक्के लगाये। स्टोक्स की इस बल्लेबाजी से एक समय ऑस्ट्रेलियाई टीम के हाथ से मैच फिसलता नजर आ रहा था।

टीम का स्कोर जिस समय 301 रन था, स्टोक्स आउट हो गये। उसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों ने संघर्ष किया पर वे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों से निपट नहीं पा सके। इस मैच में इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो के विवादास्पद रुप से रन आउट होने से भी इंग्लैंड के हाथों से मैच निकल गया। है। इसे लेकर प्रशंसकों ने ऑस्ट्रियाई खिलाड़ियों को जमकर कोसा। वहीं एमसीसी सदस्यों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया की जगह अगर वे होते तो जीत के लिए ऐसा नहीं करते। उन्होंने इसे खेल भावना के खिलाफ बताया।

एमसीसी यानी मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के डेड बॉल कानून (कानून 20) के अनुसार, अनुच्छेद गेंद तब तब डेड नहीं हो जाती, जब तक की गेंद विकेटकीपर या गेंदबाज के हाथ में हो है। वहीं अगर गेंद विकेटकीयर या फील्डर के हाथ में पहुंच जाती है और बल्लेबाज एक्टिव नहीं होता है तो गेंद डेड मानी जाएगी। यहां अगर कानून को बेयरस्टो वाले मामले पर लागू करते हैं तो जब उन्होंने ने क्रीज छोड़ी तो गेंद डेड नहीं थी क्योंकि तब तक गेंद विकेटकीपर तक पहुंची ही नहीं थी।

कैरी ने गेंद पकड़ने के तुरंत गेंद को स्टंप्स की ओर दे मारा। बेयरस्टो क्रीज से बाहर निकल गए थे। यदि हम नियम लागू करते हैं तो यह फिर से स्पष्ट हो जाता है कि गेंद डेड नहीं थी, क्योंकि क्षेत्ररक्षण पक्ष ने स्पष्ट रूप से गेंद को डेड नहीं माना था। वही गेंद डेड थी या नहीं, अब इसका फैसला अंपायर को करना होता है। इस मामले में तीसरे अंपायर माराइस इरास्मस ने स्पष्ट रूप से निष्कर्ष निकाला कि गेंद डेड नहीं थी। यही कारण है कि बेयरस्टो को आउट करार दिया गया पर इस दौरान दिखा की एमसीसी के सदस्य अपने ही कानून का सम्मान नहीं करते।

शुभमन , रोहित और जडेज जैसे खिलाड़ी विश्वकप के लिए अहम रहेंगे : हरभजन

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने अक्टूबर नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर कहा कि युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल इसमें अंतर पैदा कर सकते हैं। हरभजन ने कहा कि अगर इस खिलाड़ी को अवसर नहीं मिले तो ये भारतीय टीम के लिए ही नुकसान देह रहेगा। हरभजन ने कहा, अगर आपकी शुरुआती साझेदारी की बात करें तो काफी कुछ कप्तान रोहित शर्मा पर आधारित रहेगा। वहीं अपनी धरती पर शुबमन भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसका कारण है कि वह भारतीय हालातों में बहुत अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। जहां तक रोहित की बात हैं। उन्होंने विश्व कप 2019 में सबसे ज्यादा रन बनाये थे, जहां उन्होंने 10 पारियों में 81 की औसत से 648 रन बनाए। इस बार भी वह अपने उसी प्रदर्शन को दोहराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, गेंदबाजी में रवींद्र जडेजा, वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं जैसा कि हमने आईपीएल में देखा था, जहां उन्होंने 20 से अधिक विकेट लिए थे। वहीं पूर्व कप्तान के श्रीकांत को उम्मीद है कि जडेजा इस विश्वपक में वहीं भूमिका निभाएंगे जो युवराज ने 2011 विश्वकप में निभाई थी।

ऋषभ नहीं खेलेंगे एकदिवसीय विश्वकप , आईपीएल 2024 से भी बाहर होना तय

मुम्बई। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप 2023 में खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। इसके अलावा वह अगले साल होने वाले आईपीएल में भी नहीं खेल पायेंगे। ऋषभ का नहीं खेलना भारतीय टीम के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी करारा झटका है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने बताया कि ऋषभ कार हादसे के बाद से ही तेजी से उबर रहे हैं पर अभी उनके विकेकीपिंग करने में समय लगेगा। वह अभी बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। उन्हें अभ्यास के लिए फिट होने में ही करीब तीन से छह महीने से भी अधिक का समय लग सकता है। साथ ही कहा कि अभी हमने इस बारे कोई अंतिम समयसीमा तय नहीं की है। साथ ही कहा कि ऋषभ अभी युवा हैं और उनके पास क्रिकेट खेलने के लिए काफी समय बचा है, जिस तरह की चोट उन्हें लगी है, उसे देखते हुए जल्दबाजी नहीं की जा सकती है। ऋषभ के नहीं खेलने से आईपीएल में उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स की मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। टीम ने पिछले सत्र में ऋषभ पंत की जगह ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर को टीम का कप्तान बनाया गया था पर टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम ने विकेटकीपर के तौर पर अभिषेक पोरेल को शामिल किया। इसके अलावा सरफराज खान को भी आजमाया पर वह भी असफल रहे। इस साल के अंत में आईपीएल के लिए नीलामी होगी। इसमें ऋषभ के शामिल नहीं होने के कारण टीम को किसी अच्छे विकेटकीपर की तलाश रहेगी।

बिशप ने वेस्टइंडीज की तुलना उन कंपनियों से की जो बदलाव नहीं लाने के कारण गायब हुईं

हरारे (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर इयान बिशप ने अपनी टीम के विश्वकप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने पर कहा कि टीम का निरंतर पतन हुआ है। उन्होंने वेस्टइंडीज की तुलना उन कंपनियों से की है जो समय के साथ बदलाव नहीं ला पाने के कारण अपने पुराने गौरव को वापस हासिल नहीं कर पाईं। शुरुआती दो बार की चैंपियन रही वेस्टइंडीज को इस बार स्कॉटलैंड जैसी कमजोर टीम ने हराकर विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने से रोक दिया। ये 48 साल में पहली बार हुआ है जब वेस्टइंडीज की टीम विश्व कप में जगह नहीं बना पायी है।

बिशप का मानना है कि वेस्टइंडीज के वर्तमान खिलाड़ियों को ही दौष देना सही नहीं रहेगा। साथ ही कहा कि टीम के पतन की शुरुआत काफी पहले हो गई थी। बिशप ने कहा, 'हां, यह निरंतर पतन रहा है। मैं हमेशा से कहता आया हूं कि यह मौजूदा खिलाड़ियों के समय से पहले ही बात है। हमने संभवत- एक दशक से शीर्ष टीमों के खिलाफ लगातार अच्छा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है।

वेस्टइंडीज के लिए 161 टेस्ट और 118 एकदिवसीय खेले बिशप का मानना है कि कोई विजन और लक्ष्य नहीं होना इस स्थिति में पहुंचने के सबसे बड़े कारणों में से एक है। बिशप ने कहा, 'जैसे एक समय कुछ बड़ी कंपनियां शीर्ष पर थी पर इसके बाद शायद विजन नहीं होने या अन्य कारणों से वे गायब हो गयी हैं। ऐसा ही कुछ वेस्टइंडीज टीम के साथ भी हुआ है।

बिशप ने साथ ही ये भी कहा कि अगर वेस्टइंडीज की टीम शीर्ष स्तर पर वापसी करने में सफल भी रहती है तो भी अब उसका दबदबा पहले जैसा नहीं रहेगा। जैसा कि चार या तीन दशक पहले हुआ करता था। उन्होंने कहा, 'हम कभी उस तरह का दबदबा नहीं बना पाएंगे जैसा 1980 के दशक में और 1990 के दशक के पहले हाफ में बनाया। मुझे लगता है कि दुनिया भर की अन्य टीमें काफी अच्छी हैं और तेजी से आगे बढ़ी हैं। साथ ही कहा किकैरेबियाई देशों में हमारे सामने कई गंभीर आर्थिक चुनौतियां भी हैं जिसे दुनिया भर के क्रिकेट अधिकारियों को देखना चाहिये।

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि हमारे पास अगली बार बेहतर करने का मौका होगा। आप जिंबाब्वे का ही उदाहरण लीजिए, उन्होंने जिन परेशानियों का सामना किया और अब इस टूर्नामेंट में कितना अच्छा प्रदर्शन किया। बिशप ने क्रिकेटरों से व्यावहारिक बनने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह अलग समय है। सर विवियन रिचर्ड्स, गोर्डन ग्रीनिज, डेसमंड हेन्स और क्लाइव लॉयड को जिन चीजों ने प्रेरित किया उनकी तुलना में अब प्रेरणा अलग है और मैं इसे स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा कि हमें खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए निश्चिचय ही आर्थिक हालातों को बेहर बनाना होगा।

कलाई की चोट के कारण विम्बलडन से हटे पिछली बार के उपविजेता निक किर्गियोस

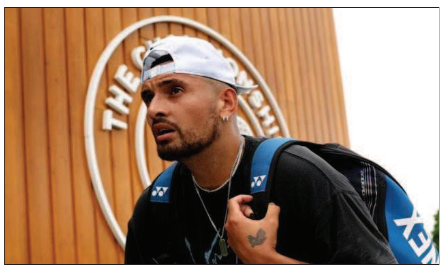

विम्बलडन। पिछले उपविजेता निक किर्गियोस ने कलाई की चोट के कारण विम्बलडन से नाम वापस ले लिया। विम्बलडन ने रविवार की रात इसकी जानकारी दी और किर्गियोस ने भी सोशल मीडिया पर घोषणा की। उन्हें पुरूष एकल में 30वीं वरीयता मिली थी और सोमवार को उन्हें डेविड गोफिन से खेलना था। अब उनकी जगह क्वालीफायर में हारने वाले किसी खिलाड़ी को उतारा जाएगा। किर्गियोस इस सत्र में एक ही मैच खेल सके हैं। उन्हें बायें घुटने की चोट के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन से भी नाम वापस लेना पड़ा था। पिछले साल नोवाक जोकोविच ने उन्हें फाइनल में 4.6, 6.3, 6.4, 7.6 से हराया था।

भारत के लिए खेलता तो एक हजार विकेट लेता : अजमल

–मुझे रोकने आईसीसी ने प्रतिबंध लगाया था

नयी दिल्ली।(एजेंसी)। लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल ने कहा है कि अगर वह भारतीय टीम की ओर से खेलते तो 1000 विकेट लेते। अजमल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 212 मैचों में 447 विकेट लिए थे और अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी से बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में वह माहिर थे। वह एकदिवसीय और टी20 रैंकिंग में भी विश्व में नंबर एक स्थान पर भी रहे हालांकि 2014 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के बाद अजमल का करियर समाप्त हो गया। वहीं इस स्पिनर ने कहा कि अगर वह भारत की ओर से खेलते तो सभी प्रारूपों में 1000 विकेट लेते। अजमल ने कहा, मैं एक ऐसा गेंदबाज था जो हर साल 100 विकेट लेता था। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में लगभग हर साल मैंने 100 विकेट लिए।

अपने प्रतिबंध के बारे में अजमल ने कहा कि अधिकारियों को साल 2009 में उनके डेब्यू के दौरान ही उन्हें रोक देना चाहिए था। उन्होंने कहा, उन्हें मुझे 2009 में ही रोक देना चाहिए था पर उन्होंने मुझे खेलने की अनुमति दी। मेरे 448 विकेट लेने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि इसे रोकने के लिए केवल प्रतिबंध ही एक रास्ता है जो उन्होंने अपनाया। ये कितनी अजीब बात थी कि जब मैं दुनिया का नंबर एक गेंदबाज था तभी मुझपर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी अगले माह , भारत का पहला मुकाबला चीन से

चेन्नई। चेन्नई में तीन से 12 अगस्त तक यहां होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का शुरुआती मुकाबला चीन से होगा। ये मुकाबला मेजर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तीन अगस्त को खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम अपने दूसरे मैच में चार अगस्त को जापान से और छह अगस्त को मलेशिया से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम को दक्षिण कोरिया को सामना करना होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने जो कार्यक्रम जारी किया है। उसके तहत भारत और पाकिस्तान का मुकाबला नौ अगस्त को खेला जाएगा। छह टीमों के इस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, चीन और भारत की टीमें भाग लेंगी। सभी टीमें एक ही पूल में है और अंकतालिका के आधार पर उनके मुकाबले होंगे। गत चैम्पियन कोरिया को पहले मैच में जापान से खेलना है। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले 11 अगस्त को जबकि खिताबी मुकाबला 12 अगस्त को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने ये खिताब तीन-तीन बार जीता है।

नीरज चोपड़ा विश्व के शीर्ष पांच एथलीटों में से एक: शीर्ष खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लंबी कूद के शीर्ष खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने सोमवार को कहा कि ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा हर तरह की परिस्थितियों से आसानी से सामंजस्य बिठाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता के कारण दुनिया के शीर्ष पांच ट्रैक और फील्ड एथलीटों में शामिल हैं।

भाला फेंक में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद 25 वर्षीय नीरज ने विश्व चैंपियनशिप 2022 में रजत पदक जीता। वह डायमंड लीग में मौजूदा चैंपियन हैं। इसके अलावा उन्होंने एशियाई खेल (2018) और राष्ट्रमंडल खेल (2018) में भी स्वर्ण पदक जीता था। चोपड़ा और चक्का फेंक के एथलीट विकास गौड़ा के बाद श्रीशंकर पिछले महीने पेरिस में डायमंड लीग में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने थे।

श्रीशंकर ने कहा, 'वह (चोपड़ा) विश्व में हर तरह की परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल बिठाता है और कैसी भी परिस्थिति हो उसमें अच्छा परिणाम देता है। वह न सिर्फ भाला फेंक का शीर्ष खिलाड़ी है, बल्कि इस समय दुनिया के शीर्ष पांच ट्रैक और फील्ड एथलीटों में से एक है।' उन्होंने कहा, 'वर्तमान समय में नीरज भाई की तुलना सैंड्रा पेरकोविच (चक्का फेंक), आर्मंड डुप्लांटिस (पोल वॉल्ट विश्व रिकॉर्ड धारक) और क्रिश्चियन टेलर (अमेरिका के त्रिकूद के एथलीट) से की जा सकती है। परिस्थितियां और अपेक्षाओं का बोझ कैसा हो वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं और इस कारण वह अन्य से अलग हैं।'

भुवनेश्वर (15-19 जून) में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.41 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले श्रीशंकर ने कहा कि अगले साल तक वह चोपड़ा के स्तर के करीब पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा, 'उस स्तर तक पहुंचने के लिए, मुझे अधिक अनुभव तथा विदेशों में अधिक और लंबे प्रशिक्षण और अनुभव हासिल करने की जरूरत है। डायमंड लीग में नियमित रूप से प्रतिस्पर्धा करने का यह मेरा पहला वर्ष है। मुझे कुछ साल पहले ऐसा करना चाहिए था।' श्रीशंकर ने कहा, 'पेरिस ओलंपिक 2024 तक हो सकता है कि मैं उतने ऊंचे स्तर पर न रहूं, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं उस स्तर के खिलाड़ियों के मिश्रण में शामिल होने के लिए पर्याप्त रूप से प्रतिस्पर्धी हो जाऊंगा।'

यूक्रेन, इस्राइल, स्पेन ने पेरिस ओलंपिक पुरूष फुटबॉल के लिये क्वालीफाई किया

पेरिस। इस्राइल और स्पेन ने पेरिस ओलंपिक 2024 की पुरूष फुटबॉल स्पर्धा के लिये क्वालीफाई कर लिया क्योंकि इंग्लैंड ने अंडर 21 यूरोपीय चैम्पियनशिप क्वार्टर फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया। यूक्रेन ने फ्रांस को आखिरी क्वार्टर फाइनल में 3 . 1 से हराया। फ्रांस मेजबान होने के नाते ओलंपिक के लिये स्वत- क्वालीफाई कर चुका है। इस्राइल और स्पेन ने अंडर 21 यूरो के जरिये क्वालीफाई किया। इंग्लैंड ने रविवार को पुर्तगाल को 1 . 0 से हराया था लेकिन ब्रिटेन का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकेगा। ब्रिटेन की ओलंपिक टीम में उत्तरी आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स भी पुरूष फुटबॉल में शामिल हैं। यूक्रेन पर हमले के कारण रूस को युएफा में खेलने की अनुमति नहीं मिली और अंडर 21 यूरो के क्वालीफाइंग ग्रुप से वह बाहर रहा। ओलंपिक पुरूष फुटबॉल अंडर 23 टूर्नामेंट है जिसमें हर टीम में तीन इससे अधिक उम्र के खिलाड़ी खेल सकते हैं।

प्लास्टिक मुक्त भारत के सपने को साकार करने के लिए राज्य सरकार के ईमानदार प्रयास

सूरत। अपनी औद्योगिक शक्ति और आर्थिक विकास के लिए दुनिया भर में जाना जाने वाला गुजरात अब हरित विकास की ओर भी रुख कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में, पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने की दृष्टि से, गुजरात ने नवीकरणीय ऊर्जा और संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न पहलों को लागू किया है। गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। सौर पार्कों के निर्माण और घरों की छतों पर सौर स्थापनाएं लाकर, राज्य की विशाल सौर क्षमता का दोहन किया गया है। चरणका सोलर पार्क जैसी परियोजनाओं की सफलता ने गुजरात को भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन में सबसे आगे खड़ा कर दिया है। इसके अतिरिक्त, अपतटीय पवन फार्मों ने राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हरित विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। गुजरात ने प्लास्टिक कचरे से निपटने की आवश्यकता को पहचाना है और प्लास्टिक प्रबंधन को बढ़ावा देने और इसके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए कई पहल लागू की हैं। एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध से लेकर प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहण और पुनर्चक्रण पर नीतिगत निर्णय तक, अब राज्य में प्लास्टिक कचरे को कम करने और विभिन्न जिलों में जन जागरूकता पैदा करने के लिए कई प्रयोग किए जा रहे हैं।

महुवा नगर पालिका का नया प्रयोग- प्लास्टिक जमा करो और मुआवजा पाओ- एक किलो प्लास्टिक पर रु. 10/- एवं प्लास्टिक बोतल रु. 23/- भावनगर जिले में महुवा नगर पालिका ने पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के साथ मिलकर एक अनोखा अभियान चलाया है। यहां आप प्लास्टिक बैग, बोतलें, दूध-दूध की थैलियां आदि का कचरा जमा करते हैं तो मिलते हैं पैसे! एक किलो के लिए 10 रुपये और 1 किलो की प्लास्टिक पानी की बोतल के लिए 23 रुपये! नागरिकों को एक किलो प्लास्टिक के बदले रुपये के साथ-साथ 2 किलो खाद भी मिल सकती है> महवा को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से अभियान शुरू किया गया है और नगरपालिका क्षेत्र के 9 वार्डों में 14 प्लास्टिक संग्रहण केंद्र स्थापित किए गए हैं। नागरिक भी वहां कूड़ा जमा करने आ रहे हैं। इस कंपनी और नगर पालिका द्वारा संयुक्त रूप से शहर भर से एकत्र किए गए प्लास्टिक कचरे को रिसाइकिल करने का एक प्लांट भी स्थापित किया गया है। इस प्लांट में एकत्रित प्लास्टिक कचरे की छंटाई की जाती है।

दूसरी ओर, कच्छ में एक अशिक्षित कामकाजी महिला ने 60 अन्य महिलाओं के साथ मिलकर कच्छ के हर गांव पाडर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का अभियान शुरू किया है। भुज तालुका के अवधनगर गांव में अवधनगर की कुलदेवी कृपा सखी मंडल की महिलाएं और कच्छ के अन्य गांवों की उनसे जुड़ी महिलाएं घर-घर जाकर बेकार पॉलिथीन इकट्ठा करती हैं और उससे बुनाई के माध्यम से नवीन वस्तुएं बनाकर रोजगार प्राप्त कर रही हैं। वह एक आत्मनिर्भर महिला होने के साथ-साथ पर्यावरण को बचाने के लिए भी काम कर रही हैं।हर दिन अधिक से अधिक महिलाएं इस अभियान से जुड़ रही हैं।

इस सखी मंडल की अध्यक्ष राजीबेन वनकर हैं, जो अन्य महिलाओं को प्रेरणा दे रही हैं। फिलहाल 60 महिलाएं इससे जुड़ी हैं। महिलाओं को प्लास्टिक इकट्ठा करने, काटने और धोने के लिए भुगतान किया जाता है।

प्लास्टिक बुनाई करने वाली बहनों को भी रू15 प्रति किलो दिया जाता है। कुछ महिलाएँ बुनकर और कपड़ा बनाने का काम करती हैं। वे पर्स, बैग, हैंड पर्स, वॉलेट, चश्मे के कवर, ट्रे, फोल्डर, लैपटॉप बैग आदि बनाते हैं। प्रत्येक बहन को उसके कार्य के अनुसार पारिश्रमिक दिया जाता है। राजीबेन का कहना है कि सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय और विपणन सहायता के कारण महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त हुई हैं। बायोडिग्रेडेबल और प्लास्टिक कचरे के क्षेत्र में राजीबेन के काम को देखते हुए उन्हें हाल ही में दिल्ली में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

62वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट-2023 के तहत जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता होगी

सूरत।
इस वर्ष 62वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट-2023 के तहत सूरत शहर-ग्रामीण खिलाड़ियों के लिए जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसमें 1-1-2010 तक 14 वर्ष की आयु पूरी करने वाले अंडर-14 खिलाड़ियों और 1-1-2007 तक 17 वर्ष की आयु पूरी करने वाले अंडर-17 खिलाड़ियों का दूसरा समूह दो आयु समूहों में आयोजित किया जाएगा। प्रति वर्ग 2,000 रु. www. sunrotocup.in वेबसाइट पर भाग लेने के इच्छुक सभी खिलाड़ियों के लिए प्रति व्यक्ति ऑनलाइन प्रवेश शुल्क 2,000 रुपये है।

साथ ही स्कूल के लेटरपैड पर खिलाड़ी, कोच और प्रबंधक के नाम के साथ, प्रिंसिपल के हस्ताक्षर-सिक्का के साथ ऑनलाइन प्रवेश विवरण और जिला खेल विकास अधिकारी, प्रथम तल, सूडा भवन, अभावा रोड, वेसु के कार्यालय में प्रवेश शुल्क की रसीद 07-07-2023 को शाम 5 बजे तक जमा करना होगा। प्रतियोगिता का स्थान एवं दिनांक जिला खेल विकास अधिकारी, जिला खेल प्रशिक्षण केन्द्र, सूरत की सूची के अनुसार इस कार्यालय द्वारा बाद में सूचित किया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पर सूरत के न्यू सिविल अस्पताल से एक और अंगदान

सूरत ।
गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन पर सूरत के न्यू सिविल अस्पताल से एक और सफल अंगदान हुआ है। ब्रेन डेड सूरत के पांडेसरा के सेवकराम कालू राजोरे अपनी दोनों किडनी दान कर दो जरूरतमंद मरीजों को नई जिंदगी देंगे। नई नागरिक प्रणाली के माध्यम से अंग दान की एक सदी बीतने के साथ, नागरिक स्वास्थ्य प्रणाली के प्रयासों के कारण पिछले छह महीनों में अंग दान के 32 मामलों में कुल 102 अंग दान किए गए हैं। आज गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन पर जीवन की राह में ज्ञान और मार्गदर्शन देने वाले गुरु की महिमा ही अलग होती है, जिस तरह गुरु ज्ञान दान देकर शिष्य का जीवन रोशन कर देता है, उसी तरह सेवकराम मरने के बाद भी किडनी दान कर जरूरतमंद मरीजों के जीवन में नई रोशनी फैलाने में अहम भूमिका निभाई है।

प्राप्त विवरण के अनुसार, मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के पंधाना तालुक के सेगवाल गांव के मूल निवासी 46 वर्षीय सेवकराम राजोरे अपनी पत्नी रमाबाई, तीन बेटियों और एक बेटे के साथ सूरत के पांडेसरा हाउसिंग में रहते थे और परिवार का भरण-पोषण करते थे। मोची का काम करके।

गत 30 जून को वह अपने परिवार के साथ रात में जमीन पर बैठकर टीवी देख रहे थे, इसी दौरान उनके शरीर का एक हिस्सा अकड़ गया, जैसे शरीर के एक तरफ पैरालिसिस का अटैक हुआ हो। इसलिए उन्हें इलाज के लिए वलसाड के डुंगरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस अस्पताल के डॉक्टर ने अधिक गहन उपचार के लिए सूरत न्यू सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया क्योंकि इसका निदान इंट्रापैरेंकाइमल हेमोरेज (आईपीएच) और इंट्रावेंट्रिकुलर हेमोरेज (आईवीएच) के रूप में किया गया था। 1 जुलाई को नई सिविल में चले गए। जहां इलाज के दौरान 2 जुलाई को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया।

सोटो की टीम से डॉ. नीलेश काचड़िया, आरएमओ डॉ. केतन नायक, इकबाल कड़ीवाला, काउंसलर निर्मला कठुड़ और गुलाबभाई ने राजोरे परिवार के सदस्यों को अंगदान का महत्व समझाया। दूसरों को नई जिंदगी मिले, इसके लिए सेवकराम की पत्नी और बच्चों समेत राजौर परिवार के सदस्य दुख की घड़ी में भी अंगदान के लिए आगे बढ़ने को तैयार हो गए।

ब्रेन डेड सेवकराम का किडनी दान आज 3 जुलाई को स्वीकार कर लिया गया। सिविल अस्पताल के सिविल अधीक्षक डॉ. गणेश गोवेकर, आरएमओ डॉ. केतन नायक, प्लास्टिक सर्जन डॉ. नीलेश काचड़िया, न्यूरो फिजिशियन डॉ. परेश ज़ांज़मेरा, नर्सिंग काउंसिल के उपाध्यक्ष श्री इकबाल कड़ीवाला, नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षा स्टाफ ने अंगदान में प्रयास किया।

डॉ. गोवेकर ने बताया कि नये सिविल अस्पताल के सफल प्रयासों के फलस्वरूप आज एक और अंगदान के साथ 32वाँ अंगदान किया गया है।

गुमशुदा

नाम: शिवदयाल भगवानदिन कुशवाहा
उम: 26 वर्ष
निवास:प्लॉट नं. 07, शिव नगर सोसायटी, वडोदगाम, पांडेसरा, सूरत.
मूलनिवासी : गाम: मऊ, थाना: मरका, जिला: बांदा, उत्तर प्रदेश।
उपरोक्त व्यक्ति दिनांक 13 जुन 2023 से लापता है यदि व्यक्ति किसी को मिलता है तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें।
लापता व्यक्ति के पिता :9974031406, 6353137311

गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर जिला विकास अधिकारी बी.के. वसावा ने जिले के स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारियों को सम्मानित किया

सूरत ।
जिला युवा विकास अधिकारी कार्यालय और सूरत जिला प्रशासन, सूरत की संयुक्त पहल के तहत च्आजादीना अमृत महोत्सवज् के तहत जिला विकास अधिकारी श्री बी.के. वसावा. की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय हॉल में स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के लिए एक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके तहत देश की आजादी में अपना अमूल्य योगदान देने वाले 3 स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सम्मानित किया गया।

सूरत के मूल स्वतंत्रता सेनानी ललिताबेन नायक और कमलाबेन चौधरी के उत्तराधिकारियों का मोमेंटो, शॉल और गुलदस्ते से स्वागत किया गया। जिला युवा विकास अधिकारी सुश्री राधिका लाठिया ने उपस्थित स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का स्वागत किया तथा देश को आजादी दिलाने वाले वीर सपूतों के बलिदान को याद कर आजादी का सही मूल्य समझाया।

इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी श्री जीजी वलवी, विवेकानन्द मण्डल अध्यक्ष श्री विजयभाई रादडिया एवं खेल विभाग के अन्य सदस्य उपस्थत थे।

भय्याजी जोशी का किया भव्य स्वागत

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा रविवार को डूमस स्थित अग्र-एक्जोटिका के बोर्ड रूम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाहक माननीय श्री सुरेश जी (भय्याजी) जोशी का भव्य स्वागत किया गया । इस दौरान ट्रस्ट के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें । आयोजन में देश के विकास में समाज के योगदान पर अनेकों चर्चा हुई ।

प्रेमी संग शादी करने महिला ने अपने बेटे की हत्या की

सूरत।
सूरत पुलिस ने दो साल के बेटे की हत्या मामले में छत्तीसगढ़ की 22 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि महिला ने फिल्म दृश्यम से प्रेरित होकर इस घिनौने अपराध को किया। महिला ने 27 जून को डिंडोली पुलिस स्टेशन में अपहरण की शिकायत दर्ज करावकर दावा किया था कि उसका बच्चा लापता हो गया है। गिरफ्तार की गई महिला की पहचान छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की रहने वाली नयना मंडावी (22) के रूप में हुई है। महिला ने पुलिस के सामने कबूल किया कि वह क्राइम थ्रिलर्स फिल्मों की शौकीन है। उसने फिल्म दृश्यम देखकर अपने 2 साल के बेटे की हत्या कर उसका शव छिपा दिया। महिला ने कहा, वह ऐसा करके कानून के चंगुल से बच जाएगी। पुलिस जांच में पता चला है कि महिला के प्रेमी ने उसके बच्चे को रखने पर उससे शादी करने से मना किया था। इस बाधा को दूर करने के लिए महिला ने अपने ही बच्चे को मार डाला।

पूरे सप्ताह आरोपी यही कहती रही कि उसके बच्चे का अपहरण कर लिया गया है। हालांकि, जांचकर्ताओं को महिला के दावे का समर्थन करने वाला कोई सीसीटीवी फुटेज या बच्चे के घर छोड़ने का कोई सबूत नहीं मिला।कड़ी पूछताछ के बाद आखिरकार महिला ने अपने बेटे की हत्या करने और शव को कॉलोनी के पीछे एक खुले इलाके में दफनाने की बात कबूल कर ली। हालांकि, खुदाई करने पर पुलिस को बताए गए स्थान पर कुछ नहीं मिला। आगे की पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। महिला ने खुलासा किया कि उसने बच्चे का गला घोंट दिया था और तालाब के निचले हिस्से में फेंककर ठिकाने लगा दिया था।

जानकारी के मुताबिक महिला ने चार साल पहले अपने पैतृक गांव में शादी की थी। लेकिन, अपने पति द्वारा विवादों और दुर्व्यवहार के कारण वह दो साल पहले अपने बेटे वीर के साथ अपनी मां के यहां रहने लगी थी। पुलिस ने बताया कि सूरत में रहने के दौरान उसका साथ काम करने वाले मजदूर संजू से दोस्ती हो गई। जिससे वह शादी करना चाहती थी। पुलिस ने कहा कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

राज्य सरकार ने एसजीसीसीआई के इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के विस्तार के लिए 2345 लाख रुपये मंजूर किये: उद्योग राज्य मंत्री हर्ष सांघवी

सूरत। गुजरात के उद्योग राज्य मंत्री और गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष सांघवी साहब के उद्घाटन समारोह में द सरधन गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, सूरत के नवनियुक्त अध्यक्ष और उनकी टीम उपस्थित थी। अपने संबोधन में मंत्री ने नव नियुक्त टीम को बधाई दी और अपने विचार व्यक्त किये। मंत्री ने कहा, च्चैंबर के कन्वेंशन सेंटर के विस्तार के लिए राज्य सरकार के समक्ष कई अभ्यावेदन दिए गए थे। ताकि और बड़े पैमाने पर प्रदर्शनियां आयोजित की जा सकें। राज्य सरकार ने इस पर गहन विचार किया है और सूरत के हीरा और कपड़ा उद्योग के विकास को गति देने के लिए कन्वेंशन सेंटर के विस्तार के लिए राज्य सरकार की ओर से 2345 लाख रुपये मंजूर किए हैं।

साथ ही मंत्री ने कहा, "इस विस्तार से शहर को सबसे ज्यादा फायदा होगा. इस विस्तार से मुंबई, बेंगलुरु जैसी प्रदर्शनियां सूरत में भी आयोजित की जाएंगी।"

चैंबर के वर्तमान अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला के एक वर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में उन्होंने चैंबर को उसी दिशा में आगे बढ़ाया है, जिस दिशा में नवीन प्रदर्शनियों और कार्यक्रमों के माध्यम से एक औद्योगिक संगठन के संगठन आगे बढ़ते हैं। चैम्बर की औद्योगिक प्रगति पर। चैंबर के अध्यक्ष का पद संभालने वाले श्री रमेशभाई वघासिया को एक नई शुरुआत करनी होगी। मंत्री ने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मंच पर गणमान्य लोगों के नाम का जश्न मनाने के बजाय सभी का एक साथ स्वागत कर उन्होंने व्यवसायियों का समय बचाया है और चैंबर की गरिमा बढ़ाई है.' "

मंत्री ने कहा, "चेंबर ऑफ कॉमर्स सूरत में एक ऐसा संगठन है। जो सूरत के सभी उद्योगों को दिशा और मार्गदर्शन देने का काम करता है। उद्योग के सभी मुद्दों के समाधान के लिए प्रतिनिधित्व प्रदान करता है। पीएम मित्र पार्क को लेकर मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय मंत्री श्री दर्शनाबेन जरदोश का आभार व्यक्त करता हूं। राज्य के उद्योग मंत्री के तौर पर मुझे खुशी हो रही है जब 13 तारीख को एमओयू पर हस्ताक्षर होने जा रहे हैं। हमें आपको यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि उबराट पर बनने वाले पुल के कारण कन्वेंशन सेंटर से पीएम मित्र पार्क केवल 20 मिनट में पहुंचा जा सकता है। मैं राज्य सरकार की ओर से विश्वास दिलाता हूं कि इस पीएम मित्र पार्क को शीघ्र साकार किया जाएगा और इस पार्क से विकास की नई उपलब्धियां स्थापित होंगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)